▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 220 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 08-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

# तमिलनाडु में सशक्त नारी-शक्ति

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 19+ लाख माताओं को लगभग ₹1000+ करोड़ की सहायता

1.1+ करोड़ घरों तक नल से स्वच्छ जल और 41 लाख उज्ज्वला गैस कनेक्शन से धुएँ-मुक्त रसोई से महिलाओं का जीवन-स्तर बेहतर

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 14+ लाख पक्के घर, 65 लाख शौचालयों से महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन

23+ लाख महिला-नेतृत्व वाले चड्चए संचालित, महिला उद्यमिता को बढ़ावा और नये अवसरों का सृजन

5.6 लाख लखपति दीदियों को आर्थिक आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व में आर्थिक सशक्तिकरण को मिली मजबूती

सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 40+ लाख बेटियां लाभान्वित,
₹33,000+ करोड़ की बचत से उनका भविष्य सुरक्षित

3.3+ लाख स्वयं सहायता समूह (SHGs) से
सामुदायिक विकास, ग्रामीण आजीविका और महिला सशक्तिकरण को बल

महिला नेतृत्व वाले 7,000+ स्टार्टअप से तमिलनाडु में इनोवेशन को नई गति, राज्य का स्टार्टअप इकोसिस्टम हो रहा मजबूत

## विकसित भारत के लिए विकसित तमिलनाडु
## पीएम मोदी का संकल्प

“ हमारा सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है।
केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति के लिए
पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ”
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

CBC 46101/13/0033/2526

## सहज स्मृति योग

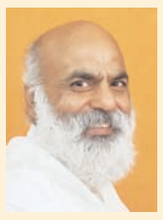

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

**प्रश्न:** गुरुजी, यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो पाते हैं कि मानवता एक ओर तो नए ग्रहों पर जीवन बसाने की ओर बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर वही मानवता झूठी-सच्ची कहानियाँ गढ़-गढ़ कर आपस में लड़ भी रही है। मानवता के इन दोनों पक्षों में से आपको मानवता का कौन सा पक्ष जीतता दिख रहा है ?

**उत्तर :** हरेक मनुष्य में स्वयं में कल्याणकारी परिवर्तन या सुधार लाने की आंतरिक प्रेरणा विद्यमान रहती है। जैसे ही वह सत्संग की ओर बढ़ता है, ध्यान उसको आत्मशोधन के माध्यम से आत्म-ज्ञान की ओर ले जाता है। आत्म-ज्ञान से सनातन मानवीय मूल्य और गुण प्रकाशित और प्रकट होते हैं जिससे उसे यह बोध होता है कि, उसकी पहली प्राथमिकता क्या है अन्यान्य ग्रहों पर जाने की ? अथवा, पहले इसी ग्रह को जिसे मानव ने इस अवस्था में पहुँचा दिया है कि वह रहने योग्य नहीं, रहने जैसा हो चला है, पहले इसे ही रहने योग्य सुंदर बनाने की? किस पक्ष की कौन सी कहानी सच्ची है उसी की जीत होगी? क्योंकि, कहानी बनती ही सच्ची तब है जबकि उस पर अमल किया जाता है। अमल करें सो पावै।

# समाज में महिलाओं के स्थान के बारे में सही धारणा स्थापित करें : राष्ट्र सेविका समिति प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय समाज में महिलाओं के स्थान के बारे में एक सही दृष्टिकोण स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख वी. शांता कुमारी ने शनिवार को कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को बहुत महत्व दिया गया है, लेकिन कुछ लोग कुछ धार्मिक ग्रंथों का उपयोग करके यह जताते हैं कि देश में उनका शोषण होता है।

विज्ञान भवन में महिला विचारकों के दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कुमारी ने कहा कि भारत में महिलाएं अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

समिति प्रमुख ने कहा, हम सभी जानते हैं कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को बहुत महत्व दिया गया है। स्त्री समाज की आधारशिला और एक सशक्त शक्ति है। इसलिए, 'नारी' से वह 'नारायणी' में रूपांतरित हो सकती है। उन्होंने भारतीय समाज और संस्कृति में महिलाओं के स्थान के बारे में सही दृष्टिकोण स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, ''फिर भी कुछ लोग कुछ धर्मग्रंथों और मनु जैसे कुछ व्यक्तियों के नामों का हवाला देते हुए यह चर्चा छेड़ देते हैं कि यहां शोषण हो रहा है।''

भारती - नारी से नारायणी नामक सम्मेलन का आयोजन भारतीय विद्वत परिषद द्वारा राष्ट्र सेविका समिति और शरण्या के सहयोग से यहां विज्ञान भवन में किया जा रहा है। वर्ष 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति, पुरुषों के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के समानांतर एक महिला संगठन के रूप में कार्य करती है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी उद्घाटन सत्र में भाषण दिया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी के पदों पर आसीन सक्षम महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहायता और अवसर प्रदान करके अन्य महिलाओं की मदद करनी चाहिए।

# समाज को महिलाओं के लिए खड़ा होना चाहिए, केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं : ए रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि समाज को महिलाओं की सुरक्षा को एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लेना चाहिए, क्योंकि केवल कानून बनाने या पुलिस द्वारा उपाय करना उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

तेलंगाना पुलिस की महिला शाखा के 'स्टैंड विद हर' (महिलाओं के लिए खड़े खड़े होने का अभियान) की शुरुआत करने के बाद उन्होंने कहा कि लोगों को महिलाओं के किसी भी परेशानी में घिरने पर आपत्ति व्यक्त करने की परिपाटी चलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों (जिनमें डीप फेक वीडियो भी शामिल हैं) को देखते हुए राज्य सरकार ने ऐसे अपराधों की जांच के लिए साइबर अपराध शाखा को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा, तेलंगाना अगर तेजी से प्रगति कर रहा है तो सरकारी, निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में उपयुक्त अवसर उपलब्ध हैं। अगर महिलाओं को रोजगार और आजीविका के अवसरों में उत्कृष्टता हासिल करनी है तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। केवल कानून बनाना और पुलिस द्वारा कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होगा। हम सभी को इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लेना होगा। उन्होंने कहा कि जब कोई महिला असुविधा का सामना करती है तो ऐसे में बेपरवाही का रवैयया अपना और उसकी मदद न करना एक तरह से अपराध को बढ़ावा देने के समान है।

# प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में भारत को अमेरिका से सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता मिला : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत ने अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका के साथ सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता हासिल किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश एक बेहद शक्तिशाली संबंध साझा करते हैं।

गोयल ने कहा कि अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और कोई भी इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। रायसीना संवाद 2026 में अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, यह एक शानदार सफर रहा है। हमारे संबंध बेहतरीन हैं। आपने पिछले एक साल में देखा होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में अच्छी बातें कही हैं। वहां हमारे समकक्षों के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा, एक परिवार के भीतर भी कभी-कभार कुछ गलतफहमियां हो सकती हैं। यह स्वाभाविक है। मुझे लगता है कि अमेरिका और भारत एक बहुत ही शक्तिशाली रिश्ता साझा करते हैं। प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में हमें सबसे अच्छा समझौता मिला है। मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका रणनीतिक साझेदार हैं और दोनों दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों पर बड़ी जिम्मेदारी है। अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था है, कोई भी उन्हें अनदेखा नहीं कर सकता। व्यापार समझौते की व्याख्या करते हुए गोयल ने कहा कि यह अनिवार्य रूप से अपने प्रतिस्पर्धियों पर वरीयता प्राप्त करने के बारे में है। द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण में अमेरिका ने भारत पर पारस्परिक शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की थी।

# वाईएसआरसीपी शासन के 'शराब घोटाले' में 100 करोड़ रु. की मासिक रिश्वत शामिल थी : लोकेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अमरावती/भाषा।** आंध्र प्रदेश के सूचना एवं संचार मंत्री नारा लोकेश ने शनिवार को कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान कथित तौर पर हुए 3,500 करोड़ रुपए के 'शराब घोटाले' में 100 करोड़ रुपए की मासिक रिश्वत शामिल थी और ईडी ने 1,000 करोड़ रुपए से अधिक के नकद लेन-देन का खुलासा भी किया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने आंध्र प्रदेश शराब घोटाला मामले में शामिल विभिन्न आरोपियों की 441 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की संपत्तियां जब्त कर ली है।

जब्त की गई संपत्तियों में मुख्य आरोपी कासिरेड्डी राजशेखर रेड्डी, उनके परिवार के सदस्यों और संबंधित संस्थाओं, बूनेटी चाणक्य और उनकी संबंधित संस्थाओं, डोंथिरेड्डी वासुदेव रेड्डी के रिश्तेदारों और संस्थाओं समेत अन्य आरोपियों की संपत्तियां शामिल हैं।

लोकेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हर महीने 100 करोड़ रुपए की रिश्वत। लगभग 3,500 करोड़ रुपए का धनशोधन। ईडी द्वारा 1,048 करोड़ रुपए के नकद लेन-देन का खुलासा। क्या यही आपके 2019 के ''शराबबंदी'' के वादे के पीछे की असली कहानी है, वाईएस जगन मोहन रेड्डी?'' उन्होंने आरोप लगाया कि जहां जगन शराबबंदी का उपदेश दे रहे थे, वहीं उनके करीबी लोग हजारों करोड़ रुपए अपनी जेबों में भर रहे थे।

लोकेश ने पूछा, ''क्या आप (जगन) आंध्र प्रदेश की जनता को जवाब देंगे या चुप्पी ही आपका एकमात्र बचाव होगा?''

# न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपए करने की मांग को लेकर ईपीएस-95 पेंशनभोगी करेंगे प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ द्वारा संचालित कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत पेंशनभोगी मौजूदा 1,000 रुपए की न्यूनतम मासिक पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपए करने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए वे नौ मार्च को जंतर-मंतर पर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। एक बयान में कहा गया कि केंद्रीय और राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सहकारी/निजी क्षेत्रों, मिलों और मीडिया प्रतिष्ठानों के लगभग 81 लाख पेंशनभोगी ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के बैनर तले अपनी मांगों के लिए पिछले नौ वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। समिति ने कहा कि प्रधानमंत्री, सभी केंद्रीय मंत्रियों और सभी दलों के सांसदों से अपील की गई है, लेकिन सरकार बुजुर्ग पेंशनभोगियों की पुकार की अनदेखी कर रही है। इसमें कहा गया कि 30 से 35 साल की सेवा के दौरान ईपीएफओ के साथ नियमित रूप से पेंशन अंशदान जमा करने के बाद भी पेंशनभोगियों को अभी भी औसतन 1,171 रुपए मासिक पेंशन दी जा रही है। हालांकि, विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत बिना किसी अंशदान के पेंशन बांटी जा रही है। समिति ने आरोप लगाया कि इतनी कम पेंशन और मुफ्त चिकित्सा देखभाल की कमी के कारण देश भर में हर दिन औसतन 200-250 पेंशनभोगियों की असामयिक मृत्यु हो रही है।

# कोयला लदी मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतरे, कटनी में रेल यातायात प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कटनी (मप्र)/भाषा।** मध्यप्रदेश के कटनी जिले में शनिवार को कोयला लदी एक मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर जाने से व्यस्त रेलमार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया और कई रेलगाड़ियों का मार्ग बदलना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि न्यू कटनी जंक्शन (एनकेजे) सेक्शन में रेल लाइन बहाल करने का काम युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने बताया कि मरम्मत कार्य की निगरानी के लिए जबलपुर से एक टीम मौके पर पहुंची है। अधिकारी ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े 10 बजे एनकेजे क्षेत्र में 'ए केबिन' के पास हुआ, जिससे पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से जुड़े मार्गों पर रेल संचालन प्रभावित हुआ। कटनी क्षेत्र प्रबंधक रोहित सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि कोयला लदी यह मालगाड़ी बिलासपुर से पश्चिम बड़ौदा जा रही थी, तभी इसके छह डिब्बे पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का आकलन शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि बिलासपुर की ओर जाने वाला रेल यातायात प्रभावित हुआ है। चार रेलगाड़ियों का मार्ग बदला गया है, जबकि दो को 'शॉर्ट टर्मिनेट' और दो को 'शॉर्ट ओरिजिनेट' किया गया है।

# पश्चिम एशिया संकट से भारत के 11.8 अरब डॉलर के कृषि निर्यात पर खतराः जीटीआरआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** आर्थिक शोध संस्थान 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआईआर) ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत के 11.8 अरब डॉलर मूल्य के कृषि और खाद्य उत्पादों के निर्यात पर संकट मंडरा रहा है। इस तनाव से समुद्री मार्ग बाधित हो रहे हैं और बीमा व लॉजिस्टिक की लागत बढ़ने से अनिश्चितता पैदा हो गई है।

संस्थान के अनुसार, साल 2025 में भारत ने इस क्षेत्र को 11.8 अरब डॉलर मूल्य के अनाज, फल, सब्जियां, डेयरी उत्पाद और मसालों का निर्यात किया था, जो भारत के कुल कृषि निर्यात का 21.8 प्रतिशत है। भौगोलिक निकटता और वहां रहने वाले भारतीयों की बड़ी आबादी के कारण खाड़ी देश भारतीय खाद्य उत्पादों के लिए एक स्वाभाविक बाजार रहे हैं। जीटीआईआर ने कहा, हालांकि, क्षेत्र में जारी संघर्ष से समुद्री मार्ग बाधित हो रहे हैं, बीमा लागत बढ़ रही है और लॉजिस्टिक में अनिश्चितता पैदा हो रही है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने 2025 में पश्चिम एशिया को 7.48 अरब डॉलर के अनाज, फल, सब्जियां और मसाले भेजे, जो भारत के इस श्रेणी के कुल वैश्विक निर्यात का 29.2 प्रतिशत है। इसमें चावल के निर्यात पर सबसे बड़ा असर पड़ने की आशंका है। भारत ने इस क्षेत्र को 4.43 अरब डॉलर का चावल निर्यात किया, जो उसके कुल वैश्विक चावल निर्यात का 36.7 प्रतिशत है। इससे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के किसान सीधे प्रभावित हो सकते हैं। इसके अलावा, पिछले साल भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और ईरान जैसे देशों को भारी मात्रा में केले (39.65 करोड़ डॉलर), प्याज-लहसुन, कॉफी, चाय और समुद्री व मांस उत्पादों का निर्यात किया।

डेयरी उत्पादों के मामले में भी भारत के कुल निर्यात का करीब 29 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र में जाता है। जीटीआईआर के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय कृषि निर्यात की पश्चिम एशियाई बाजारों पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। अब जारी संघर्ष, पोत परिवहन मार्गों में व्यवधान और बढ़ती बीमा लागत निर्यातकों के लिए अनिश्चितता पैदा कर रही है, जिसका सीधा असर देश के कई राज्यों के किसानों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर पड़ सकता है।

# रूस से तेल खरीद को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र पर निशाना साधा

**श्रीनगर/भाषा।** नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने अमेरिका द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूस से तेल खरीदने की छूट को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश को अपने फैसले खुद लेने चाहिए न कि किसी और को उसके लिए फैसला करने का अधिकार है। अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा, हम किसी पर निर्भर नहीं हैं। दुख की बात यह है कि मुझे नहीं पता कि वे (अमेरिका) हमें क्यों निर्भर बना रहे हैं। यह इस देश की स्वतंत्रता का सवाल है। उन्होंने कहा कि देश को खुद तय करना है कि उसके लिए क्या अच्छा है और किसी अन्य को उसका भविष्य तय करने का अधिकार नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यह एक त्रासदी है। हमने पहले भी (प्रधानमंत्री) मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान ऐसा देखा था।

# क्या देश को व्हाइट हाउस से चलाया जा रहा है : भगवंत मान ने केंद्र पर कसा तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को अमेरिकी सरकार द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने की छूट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या देश को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) से चलाया जा रहा है।

मान ने कहा कि वह अखबारों में छपी उन खबरों से हैरान हैं जिनमें कहा गया है कि ''(अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप ने भारत को रूस से 30 दिनों के लिए तेल खरीदने की अनुमति दे दी है। क्या उन्होंने (ट्रंप ने) भारत को यह अनुमति दी है?'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''तो फिर देश कौन चला रहा है? (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी को जवाब देना चाहिए। क्या व्हाइट हाउस हमारे देश को अनुमति देता है?'' मान ने पूछा कि मोदी की ऐसी कौन सी ''कमजोरी'' है जिसके बारे में ट्रंप को पता है कि प्रधानमंत्री को अमेरिकी राष्ट्रपति की ''हर बात माननी पड़ेगी।'' मान ने कहा कि अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते से भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों, जिनमें सोयाबीन और मक्का शामिल हैं, के लिए खुल गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अब निरस्त किए जा चुके तीन कृषि विधेयकों से भी अधिक खतरनाक है।

# सरकार ने हरित अमोनिया, हरित मेथेनॉल के मानकों की घोषणा की

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने शनिवार को राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत ग्रीन हाइड्रोजन के उप-उत्पादों के कारोबार को तेज करने के लिए हरित अमोनिया और हरित मेथेनॉल के मानकों की घोषणा की। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार जनवरी, 2023 को 19,744 करोड़ रुपए के शुरुआती परिव्यय के साथ इस मिशन को मंजूरी दी थी। इसका उद्देश्य भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और इसके उप-उत्पादों के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारत सरकार ने 27 फरवरी, 2026 को भारत के लिए हरित अमोनिया और हरित मेथेनॉल मानकों को अधिसूचित किया।

# 'एलपीजी सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर खबरें अटकलों पर आधारित'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नागपुर/भाषा।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीचरसोई गैस सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर आ रही खबरें अटकलबाजी पर आधारित हैं और यह देश के हित में नहीं है।

फडणवीस ने मीडिया से अटकलबाजी वाली रिपोर्टिंग से बचने की अपील की और इस बात पर बल दिया कि केंद्र सरकार स्थिति की जांच कर रही है।

रसोई गैस सिलेंडरों की संभावित कमी से संबंधित खबरों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए फडणवीस ने मीडिया से अपील की कि वे बिना किसी कारण के आम नागरिकों के बीच घबराहट या भय पैदा न करें।

उन्होंने कहा, ''अटकलबाजी वाली खबरें दिखाना और काल्पनिक परिदृश्यों पर चर्चा करना दहशत और भ्रम की स्थिति पैदा करता है, जो देश और समाज के हित में नहीं है।

केंद्र सरकार ने कल यह बात स्पष्ट रूप से कही थी।''

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच घरेलू एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपए की वृद्धि की गई है।

उद्योग जगत के अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष शुरू होने के बाद से वैश्विक ऊर्जा कीमतों में हुई तीव्र वृद्धि के परिणामस्वरूप यह बढ़ोतरी हुई है।

बजट 2026-27 में उनके द्वारा घोषित ऋण माफी के कार्यान्वयन की समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि कुछ लोग यह दावा करके भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं कि फसल ऋण माफी को राष्ट्रीयकृत बैंकों, जिला बैंकों या कुछ ऋण समितियों द्वारा लागू नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, '' हम फसल ऋण देने वाले किसी भी बैंक को दो लाख रुपए तक का ऋण माफ करेंगे। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इस पहल से किसानों को लाभ मिले, बैंकों को नहीं। हमने पहले ही घोषणा कर दी है कि ऋण माफी 30 जून से पहले लागू कर दी जाएगी।''

# 33 प्रतिशत महिलाओं ने मानी कार्यस्थलों में वेतन असमानता की बातः रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** भारत के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली 67 प्रतिशत से अधिक महिलाओं का मानना है कि उनके कार्यस्थलों में वेतन समानता मौजूद है, जबकि 33 प्रतिशत महिलाओं को लगता है कि वेतन में अंतर है। नौकरी डॉट कॉम की शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

'व्हाट वीमेन प्रोफेशनल्स वांट' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट देश के 50 से अधिक उद्योगों की 50,000 महिलाओं के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार, 67 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके कार्यस्थलों पर वेतन समानता है, जबकि 33 प्रतिशत ने माना कि वहां समानता नहीं है। वेतन में अंतर होने की बात रियल एस्टेट (42 प्रतिशत) के पेशेवरों ने सबसे दृढ़ता से कही, जिसके बाद एफएमसीजी (38 प्रतिशत), दवा और जीवन विज्ञान (38 प्रतिशत) और वाहन (37 प्रतिशत) क्षेत्र का स्थान रहा। रिटेल (35 प्रतिशत), होटल एवं रेस्तरां (35 प्रतिशत), आईटी सेवाएं (34 प्रतिशत), टेलीकॉम (34 प्रतिशत), चिकित्सा सेवा (33 प्रतिशत) और तेल एवं गैस क्षेत्र (33 प्रतिशत) की महिलाओं ने भी माना कि वेतन में असमानता या अंतर मौजूद है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर जारी इस रिपोर्ट में समान वेतन ऑडिट और मासिक धर्म अवकाश की बढ़ती मांग पर भी प्रकाश डाला गया है। उच्च वेतन श्रेणी वाले पेशेवरों में यह मांग सबसे अधिक देखी गई।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 220 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 08-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश बना विश्वास का प्रतीक, यही हमारी सबसे बड़ी पूंजी : योगी आदित्यनाथ

6 कैप्टन राकेश: जान की बाज़ी लगाकर रोका फिदायीन हमला

7 अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं : सेलिना जेटली

## फर्स्ट टेक

### सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने का दावा फर्जी : सरकार

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उन पोस्ट को शनिवार को 'फर्जी' बताया, जिनमें दावा किया गया है कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की योजना है। सरकार ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि सरकार सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास बिहार और पश्चिम बंगाल के जिलों को मिलाकर एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने की योजना बना रही है। यह दावा फर्जी है। पीआईबी ने कहा, भारत सरकार के ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

### केन्या में रात भर हुई भारी बारिश, सेना को तैनात किया गया

**नैरोबी/एपी।** केन्या की राजधानी में शनिवार को भारी बारिश के कारण 23 लोगों की मौत हो गई, उड़ानें बाधित हुईं और हालात के मद्देनजर सेना को तैनात किया गया। नौरोबी में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाने से वाहन चालक घंटों तक फंसे रहे। नैरोबी के पुलिस प्रमुख जॉर्ज सेडा ने शनिवार को बताया कि कुछ लोग डूब गए और कुछ की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सेडा ने यह भी बताया कि 100 से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जिनमें से कुछ सड़क किनारे और पार्किंग स्थलों पर पलट गए।

### पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में 55 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की

**इस्लामाबाद/भाषा।** पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और 'हाई-स्पीड डीजल' की कीमत में प्रति लीटर 55 पाकिस्तानी रुपए की बढ़ोतरी की जो अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। यह ईरान युद्ध के बाद आर्थिक रूप से पड़े असर को दिखाता है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक, उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार तथा वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने शुक्रवार मध्यरात्रि से ठीक पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कीमतों में इस बढ़ोतरी की घोषणा की। उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि देश के पास पेट्रोलियम का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

08-03-2026 सूर्यास्त 6:18 बजे | 09-03-2026 सूर्योदय 6:20 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 78,918.90 | 24,450.45 |
| (-1,097.00) | (-315.45) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 16,849 रु. | 277,000 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### दल प्रतिनिधि

तुम चाहे जनप्रतिनिधि हो पर,
हाइकमान से हो अनुशासित।
पार्टी यदि जो टिकट न देती,
जीत नहीं हो पाती भासित।
सिर्फ बंधुआ हो निज दल के,
मत भूलो हो कर उल्लासित।
करी प्रशंसा प्रतिपक्षी की,
तो हो जाओगे निष्कासित।।

## शिक्षा को अपनाएं युवा, भाषा व परंपराओं को संरक्षित करें : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में संथाल समुदाय के योगदान को उचित मान्यता नहीं मिली है, और उन्होंने जोर देकर कहा कि कई महान हस्तियों को इतिहास में जानबूझकर शामिल नहीं किया गया।

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में उन्होंने कहा, यह संथाल समुदाय के लिए गर्व की बात है कि हमारे पूर्वज, तिलका मांझी ने लगभग 240 साल पहले शोषण के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठाया था। अपने विद्रोह के लगभग 60 वर्ष बाद, वीर भाई सिदो-कान्हू और चांद-भैरव ने वीर बहनों फूलो-झानो के साथ मिलकर 1855 में संथाल हुल का नेतृत्व किया।

मुर्मू ने कहा, लेकिन मैं जानती हूं कि संथालों ने देश के लिए कितना योगदान दिया है। बाबा तिलका मांझी, सिदो-कान्हू और चांद-भैरव, और ऐसे कई अन्य लोग हैं, जिनके नाम इतिहास में दर्ज नहीं हैं। मुझे लगता है, अगर उनके नाम शामिल किए जाते, तो पूरा इतिहास उनके नामों से भर जाता। लेकिन उनके नाम जानबूझकर शामिल नहीं किए गए। आज भी इतिहास उनके नाम चाहता है। लेकिन आप डर क्यों रहे हैं और पीछे क्यों जा रहे हैं?

केदारनाथ से लेकर कन्याकुमारी तक

# एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालेगी सरकार : अमित शाह

■ कांग्रेस के विरोध के बावजूद हिंदू और सिख शरणार्थियों को दी जाएगी नागरिकता : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हरिद्वार/भाषा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देगी। उन्होंने कहा कि सरकार केदारनाथ से लेकर कन्याकुमारी तक एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालेगी। शाह ने यहां बैरागी कैंप में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) आया था तो कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों ने उसका जमकर विरोध किया था। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार के चार साल पूरे होने के मौके पर 'जन जन की सरकार, चार साल बेमिसाल' नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हिंदू, सिख, बौद्ध तथा जैन शरणार्थियों को इसी कारण आजादी से लेकर आज तक नागरिकता से वंचित रखा गया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि इस देश पर बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन शरणार्थियों का उतना ही अधिकार है, जितना (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी का अधिकार है।''

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती देते हुए शाह ने कहा कि अपना धर्म और परिवार की महिलाओं का सम्मान बचाने के लिए ढेर सारी यातनाएं झेल कर हमारे देश में आए इन शरणार्थियों को नागरिकता जरूर दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''राहुल बाबा, जितना विरोध करना है, कर लो । हम नागरिकता दे कर रहेंगे आप हमें नहीं रोक सकते।''

केंद्रीय गृह मंत्री ने कार्यक्रम में भारत की नागरिकता के प्रमाणपत्र पाने वाले अफगानिस्तान और पाकिस्तान से आए लगभग 162 शरणार्थियों को बधाई भी दी।

पश्चिम एशिया संकट:

## रसोई गैस 60, वाणिज्यिक सिलेंडर 114.5 रुपए महंगा, पेट्रोल-डीजल स्थिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के बीच शनिवार को घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमत में 60 रुपए और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपए की भारी वृद्धि की गई है।

हालांकि, सरकारी सूत्रों ने तुरंत स्पष्ट किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की कोई योजना नहीं है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पास इस बोझ को सहने के लिए पर्याप्त वित्तीय क्षमता है।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में अब गैर-सब्सिडी वाली एलपीजी का 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर 913 रुपए में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 853 रुपए थी। एक साल से भी कम समय में कीमत में यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है।

उज्ज्वला योजना के 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को भी इतनी ही वृद्धि झेलनी होगी। उन्हें अब 300 रुपए की सब्सिडी के बाद प्रति सिलेंडर 613 रुपए देने होंगे।

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण यह वृद्धि आवश्यक थी। उन्होंने बताया कि इस बढ़ोतरी के बावजूद वर्तमान दर लागत के बराबर होने के लिए आवश्यक 1,050 रुपए प्रति सिलेंडर की दर से काफी कम है।

सूत्रों ने तर्क दिया कि एक परिवार में सालाना 4-5 सिलेंडर की औसत खपत को देखते हुए, यह वृद्धि एक परिवार के लिए 80 पैसे प्रतिदिन या प्रति व्यक्ति केवल 20 पैसे प्रतिदिन के बराबर है। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ी हुई कीमतों के बावजूद भारत में एलपीजी काठमांडू (1,207 रुपए), श्रीलंका (1,241 रुपए) और पाकिस्तान (1,046 रुपए) जैसे पड़ोसी देशों से सस्ती है।

## 130 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

**हैदराबाद/भाषा।** केंद्र द्वारा निर्धारित 31 मार्च की समय सीमा से पहले, शनिवार को 130 माओवादियों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने प्रतीकात्मक रूप से अपने 124 हथियार मुख्यमंत्री को सौंप दिए। इन हथियारों में 31 एके-47 राइफलें, 21 इंसास राइफलें और 5,200 से अधिक कारतूस शामिल हैं। मुख्यमंत्री रेड्डी ने मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति सहित भूमिगत उग्रवादियों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शायद यह पहला मौका है जब इतनी बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। रेड्डी ने कहा कि जनवरी 2024 से तेलंगाना में 721 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी शिवधर रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 130 माओवादियों में से 125 छत्तीसगढ़ के, चार तेलंगाना के और एक आंध्र प्रदेश से है।

## अगर राजनीति में नहीं होता, तो शायद एयरोस्पेस क्षेत्र में उद्यमिता करता : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि अगर वह राजनीति में नहीं होते, तो शायद एयरोस्पेस क्षेत्र में किसी उद्यमिता से जुड़े होते।

गांधी ने यहां टेक्नोपार्क में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के पेशेवरों के साथ संवाद के दौरान एक सवाल के जवाब में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि कई लोगों ने उन्हें एक नेता के रूप में परिभाषित किया है, लेकिन वास्तव में वह और भी बहुत कुछ करते हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उनका मानना है कि किसी को नेता, तकनीकी विशेषज्ञ या इंजीनियर कहना ''परिभाषाओं को सीमित करना'' है। उन्होंने कहा, ''यदि मैं किसी राजनीतिक संगठन के लिए काम नहीं कर रहा होता, तो शायद मैं कोई उद्यम कर रहा होता, शायद एयरोस्पेस के क्षेत्र में। मैं एक पायलट हूं, मेरे पिता और मेरे चाचा भी पायलट थे। इसलिए हमारे परिवार में इसकी थोड़ी परंपरा रही है।''

केरल के दो-दिवसीय दौरे पर आए गांधी ने कहा, ''हमें हर चीज के बारे में जिज्ञासु होना चाहिए। आपको हर बात के प्रति खुला दिमाग रखना चाहिए, तभी आप चीजों को आपस में जोड़ना शुरू कर सकते हैं।''

गांधी ने अपने निजी जीवन, अपनी दिनचर्या और अपने पालतू कुत्तों से संबंधित सवालों के भी जवाब दिए।

## 'कनेक्टिविटी' बढ़ने पर विकास की संभावनाओं में नई तेजी आती है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जयपुर/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 'कनेक्टिविटी' बढ़ने पर विकास की संभावनाओं में नई तेजी आती है। उन्होंने कहा कि जब राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिलकर काम करती हैं तो विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ जाती है। मोदी ने कोटा के नए हवाई अड्डे के शिलान्यास समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, जब कनेक्टिविटी बढ़ती है तो विकास की संभावनाओं में भी नई तेजी आती है। बीते 11 वर्षों में देश के अलग-अलग हिस्सों में बने नए हवाई अड्डों ने विकास को नई गति दी है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश में 70 के करीब हवाई अड्डे ही बने थे, जबकि आज यह संख्या बढ़कर 160 से ज्यादा हो गई है। इन नए हवाई अड्डों ने हवाई यात्रा को आसान किया है, पर्यटन को बढ़ावा दिया है, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, और क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार दी है। मोदी ने कहा,जब राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिलकर काम करती हैं, जब नीयत साफ होती है और संकल्प मजबूत होता है, तब विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ जाती है। आज राजस्थान में वही हो रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान की यही मजबूत नींव, विकसित भारत के संकल्प को और ताकत दे रही है।

मोदी ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है, हम सब मिलकर एक ऐसा राजस्थान बनाने में सफल होंगे, जो समृद्ध भी हो, सशक्त भी हो और अवसरों से भरा हुआ भी हो।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बूंदी जिले के शंभूपुरा में कोटा-बूंदी 'ग्रीनफील्ड' हवाई अड्डे का शिलान्यास किया।

मोदी ने कहा कि नवंबर 2023 में जब वे कोटा आए थे तो उन्होंने जनता से एक वादा किया था। मोदी ने कहा था कि कोटा का हवाई अड्डा केवल एक सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि उसे साकार करके दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा,आज मुझे प्रसन्नता है कि वो क्षण आ गया है, जब कोटा हवाई अड्डे के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है।

# ईरान की राजधानी तेहरान में कई विस्फोट

■ अमेरिका ने बमबारी तेज करने की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**दुबई/एपी।** ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी कि जल्द ही बड़े पैमाने पर बमबारी अभियान शुरू किया जा सकता है, जिसे अधिकारी सप्ताह भर से जारी संघर्ष का अब तक का सबसे तीव्र हमला बता रहे हैं।

क्षेत्र में लड़ाई खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इज़राइल को 15.1 करोड़ डॉलर के नए हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि देश अपनी रक्षा के लिए ''हर जरूरी कदम'' उठाएगा।

एक वीडियो फुटेज में पश्चिमी तेहरान के ऊपर विस्फोटों से धुएं के गुबार दिखाई दिए, जबकि इजराइल ने कहा कि उसने व्यापक हमलों का नया दौर शुरू किया है। इजराइली सेना ने कहा कि वह ईरान से दागी गई नई मिसाइलों को रोकने की कोशिश कर रही है।

ईरान के हमलों के बाद बहरीन में शनिवार सुबह सायरन बजे। सऊदी अरब ने कहा कि उसने अपने विशाल शायबह तेल क्षेत्र की ओर बढ़ रहे ड्रोन नष्ट कर दिए और प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया।

इस बीच अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के अनुसार, रूस ने ईरान को ऐसी जानकारी दी है जिससे वह क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों, विमानों और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है।

### ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका की बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग ठुकरायी, पड़ोसी देशों से माफी मांगी

**दुबई/एपी।** ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने शनिवार को कहा कि अमेरिका द्वारा बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग एक ऐसा ''ख्वाब है जिसे उन्हें अपनी कब्र तक साथ ले जाना चाहिए।'' राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने यह टिप्पणी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक पूर्व 'रिकॉर्डेड' संबोधन में की। उन्होंने क्षेत्रीय देशों पर ईरान के हमलों के लिए माफी भी मांगी और कहा कि तेहरान हमलों को रोक देगा। उन्होंने संकेत दिया कि ये हमले सैन्य अधिकारियों के बीच सूचनाओं के गलत संचार के कारण हुए थे। उनका यह बयान उस समय प्रसारित हुआ जब शनिवार सुबह बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर बार-बार हमले किए गए।

## युद्ध में ईरान के और भी अधिकारियों को निशाना बनाया जायेगा : ट्रंप

**डोरल (अमेरिका)/एपी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को चेतावनी दी कि युद्ध में ईरान के और भी अधिकारियों को निशाना बनाया जायेगा और ''आज ईरान पर जबरदस्त प्रहार किया जायेगा।'' ट्रंप ने अपनी वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने तेहरान के हमलों को लेकर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान द्वारा पड़ोसी देशों से माफी मांगने का जिक्र किया। ट्रंप ने लिखा, ''ईरान के खराब व्यवहार के कारण अब ऐसे इलाकों और लोगों के समूहों को भी निशाना बनाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, जिन्हें अब तक निशाना बनाने के लिए नहीं सोचा गया था।''

## भारत के उदय को रोका नहीं जा सकता, यह खुद अपनी प्रगति की दिशा निर्धारित करेगा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत का उदय ''रोका नहीं जा सकता'' और देश अपनी शक्तियों के आधार पर ही अपने विकास की दिशा तय करेगा, न कि दूसरों की ''गलतियों'' के आधार पर।

'रायसीना डायलॉग' में जयशंकर की टिप्पणियां अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडो के उस बयान के दो दिन बाद आईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका, भारत को उसी प्रकार के आर्थिक लाभ प्रदान करने की गलती नहीं दोहराएगा, जो उसने चीन को दिए थे और जिसके कारण बीजिंग एक प्रमुख प्रतिद्वंद्वी बन गया।

जयशंकर ने हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग पर हुई चर्चा में कहा, ''आज जब हम देशों के उत्थान की बात करते हैं, तो देशों का उत्थान खुद उन्हीं देशों द्वारा निर्धारित होता है। भारत का उत्थान भी भारत द्वारा ही निर्धारित होगा।'' उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, ''यह हमारी ताकत से तय होगा, न कि दूसरों की गलतियों से।''

तीन दिन पहले श्रीलंका अपतटीय क्षेत्र में ईरान के युद्धपोत पर हुए अमेरिकी हमले को लेकर कुछ चिंताओं के बीच, जयशंकर ने हिंद महासागर में एक प्रमुख सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश तो डाला, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि इससे क्षेत्र की वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

# कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का शिलान्यास, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा-क्षत्रीय विकास को मिलेगा नई दिशा

आज मुझे प्रसन्नता है कि वो क्षण आ गया है, जब कोटा एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। अब तक कोटा के लोगों को जयपुर या जोधपुर जाकर फ्लाइट पकड़नी पड़ती थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ सहित पूरे हड़ौती क्षेत्र के लिए एक नई आशा और नई उपलब्धि का दिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि करीब डेढ़ हजार करोड़ रुपए की लागत से बनने जा रहा ये आधुनिक एयरपोर्ट आने वाले समय में पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाला है। मैं कोटा और पूरे हड़ौती क्षेत्र के लोगों को एयरपोर्ट के शिलान्यास के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अपनी बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं0।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, मुझे याद है कि नवंबर 2023 में जब मैं कोटा आया था, तब मैंने जनता से एक वादा किया था। मैंने कहा था कि कोटा का एयरपोर्ट सिर्फ एक सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि उसे साकार करके दिखाया जाएगा। आज मुझे प्रसन्नता है कि वो क्षण आ गया है, जब कोटा एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। अब तक कोटा के लोगों को जयपुर या जोधपुर जाकर फ्लाइट पकड़नी पड़ती थी। इसमें काफी समय भी लगता था और असुविधा भी होती थी। अब ये स्थिति बदलने जा रही है। जब ये एयरपोर्ट शुरू होगा, तो कोटा समेत आसपास के पूरे इलाके में यात्रा भी आसान होगी और व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा।

मोदी ने कहा कि कोटा केवल शिक्षा का ही नहीं, बल्कि ऊर्जा का भी एक बड़ा केंद्र है। कोटा वह अनूठा क्षेत्र है, जहां न्यूक्लियर हो, कोयला आधारित हो, गैस और पानी हो, ऊर्जा के सभी स्रोतों से बिजली का उत्पादन होता है। कोटा और हाड़ौती की ये धरती उद्यम और आस्था का भी बड़ा केंद्र है। सदियों से देश दुनिया के श्रद्धालु यहां मथुराधीश जी की पावन पीठ, केशवराय पाटन के तीर्थ, खड़े गणेश जी महाराज और गोदावरी बालाजी धाम के दर्शन के लिए आते रहते हैं0।

मोदी ने कहा कि कोटा आज कनेक्टिविटी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कोटा के दोनों प्रमुख रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, जो कोटा और बून्दी से होकर गुजर रहा है, पूरे क्षेत्र के विकास का नया द्वार खोल रहा है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि अब दिल्ली, वड़ोदरा और मुंबई जैसे बड़े शहरों की दूरी महज कुछ घंटों की रह गई है। बेहतर सड़क और रेल कनेक्टिविटी के कारण यहां नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं0। विशेष रूप से कृषि आधारित उद्योग के लिए ये क्षेत्र एक बड़ा केंद्र बनेगा। रेल और सड़क के बाद हवाई कनेक्टिविटी के ये नया अध्याय कोटा के विकास को और गति देगा। कोटा एयरपोर्ट पूरे हाड़ौती क्षेत्र और आसपास के जिलों के लिए प्रगति के नए अवसर लेकर आएगा।

## सीकर में भूकंप के हल्के झटके

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए0। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सीकर में सुबह छह बजकर 32 मिनट पर 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार रानोली और आस-पास के इलाकों में भी झटके महसूस किए गए0।

## भाजपा का मूल मंत्र 'फूट डालो और राज करो': अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'विक्षुब्ध' (डिस्टर्ब) इलाकों में संपत्ति बेचने व खरीदने को लेकर राज्य सरकार के नये विधेयक को 'विभाजनकारी' बताते हुए इसकी निंदा की है। गहलोत के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मूल मंत्र 'फूट डालो और राज करो' रह गया है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा में 'राजस्थान विक्षुब्ध क्षेत्रों में स्थावर संपत्ति के अंतरण का प्रतिषेध और परिसरों से किरायेदारों को बेदखली से संरक्षण के लिए उपबंध विधेयक 2026' शुक्रवार को ध्वनिमत से पारित किया गया। गहलोत ने इस विधेयक की निंदा करते हुए कहा, ''यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपनी राजनीतिक विफलताएं छिपाने के लिए भाजपा सरकार राजस्थान जैसे शांत प्रदेश को नफरत की आग में झोंकने के लिए 'डिस्टर्ब एरिया एक्ट' लेकर आई है।'' उन्होंने कहा कि ऐसा विभाजनकारी कानून निंदनीय है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि दूसरी ओर, राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा करोड़ों प्रदेशवासियों को 'स्वास्थ्य का अधिकार' देने के लिए बनाए गए स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) कानून को भाजपा सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

## हवाई पट्टियों के उन्नयन एवं नवीन हवाई अड्डों की स्थापना से राज्य की अर्थव्यवस्था बनेगी मजबूत : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने शनिवार को जयपुर में स्टेट हैंगर पर प्रदेश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र को लेकर बैठक की।

इस महत्वपूर्ण बैठक में राजस्थान में हवाई सेवाओं के विस्तार, हवाई पट्टियों में बढ़ोतरी और उन्नयन, हवाई अड्डों पर विकास कार्य, फ्लाइट कनेक्टिविटी बढ़ाने, नवीन ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की संभावनाएं तलाशने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई0।

बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान बड़ा भौगोलिक क्षेत्र वाला प्रदेश है। इसलिए धार्मिक, पर्यटन, शिक्षण एवं वाणिज्यिक स्थलों पर सुगम पहुंच के लिए नवीन हवाई पट्टी और घरेलू एयरपोर्ट की संभावनाओं पर काम किया जाना बेहद जरूरी है। इसी प्रकार केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ने प्रदेश में हवाई सेवाओं के बेहतर संचालन एवं नियंत्रण के लिए स्वतंत्र निदेशालय के गठन का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र तेजी से प्रगति कर सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर एयर कनेक्टिविटी और अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के लिए कार्ययोजना के अनुसार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आरसीएस उड़ान योजना के माध्यम से विभिन्न जिलों के मध्य हवाई सेवाओं के विस्तार और बढ़ोतरी तथा प्रमुख हवाईअड्डों से भी नवीन उड़ानों की कार्ययोजना पर काम किया जाना चाहिए0।

शर्मा ने कहा कि सूरतगढ़ में सिविल एन्कलेव की स्थापना की रूपरेखा पर कार्य किया जाना चाहिए0। वहीं, लालगढ़ हवाई पट्टी पर विकास कार्यों के लिए निर्देश भी दिए0। साथ ही, उन्होंने डीग-कुम्हेर, सिरोही, सीकर और भिवाड़ी में नवीन ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए0। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे क्षेत्रीय विकास होगा एवं आपात स्थिति में वैकल्पिक एयरपोर्ट की सुविधा मिल सकेगी। वहीं, पर्यटन विकास, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी तथा प्रवासी राजस्थानियों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने उत्तरलाई एयरपोर्ट पर नवीन सिविल एन्कलेव एवं एप्रोच रोड़ के कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिए0।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अध्यक्ष एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया विपिन कुमार, प्रमुख शासन सचिव नागरिक उड्डयन विभाग नवीन जैन सहित मुख्यमंत्री कार्यालय एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## लोगों का प्यार मेरे लिए सबसे बड़ा पद है : वसुंधरा राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शनिवार को कहा कि उनके लिए राज्य के लोगों का प्यार ही सबसे बड़ा पद है। उन्होंने कहा कि अच्छा काम करेंगे तो पद आपके पास खुद चलकर आएगा। राजे ने युवा शक्ति परिषद राजस्थान द्वारा आयोजित 'सशक्त युवा-सशक्त राष्ट्र' सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, '' राजस्थानियों का प्यार ही मेरे लिए सबसे बड़ा पद है। राजनीति में सब लोगों को पद चाहिए0। काम अच्छा करो, पद आपके पास खुद चलकर आयेगा।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रदेश में नशे का प्रचलन बढ़ता जा रहा है और युवा इससे दूर रहें तथा इसे रोकने में सरकार का सहयोग करें0। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि गूगल कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई जैसे युवा श्रेष्ठ उदाहरण हो सकते हैं तो राजस्थान के युवा क्यों नहीं? राजस्थान के युवा विदेशों में जाकर नाम कमा सकते हैं तो यहां रह रहे युवा क्यों नहीं? एक बयान के अनुसार राजे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में युवा, भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करें0। युवा एआई और नयी तकनीक क्वांटम कंप्यूटिंग का सदुपयोग करें। इनमें जो आगे होगा, वही दुनिया का नेतृत्व करेगा।

## आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में होगी गैर संचारी रोगों की प्रभावी स्क्रीनिंग : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

जयपुर। प्रदेश के नागरिकों को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता के साथ उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा रेफरल सिस्टम को और मजबूत किया जाएगा। साथ ही, डिजिटाइजेशन एवं ईसेवाओं को प्राथमिकता के साथ बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने शनिवार को जयपुर जिले के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करते हुए इस संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए0।

मुख्य सचिव ने शनिवार प्रात: जयपुर के मालवीय नगर स्थित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बीलवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चाकसू के उप जिला अस्पताल एवं आजमनगर उप स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। संस्थानों में पंजीकरण, स्क्रीनिंग, जांच, उपचार, साफसफाई, स्टाफ एवं बैड सहित अन्य संसाधनों की उपलब्धता तथा उनके समुचित उपयोग को लेकर जानकारी ली। उन्होंने विगत समय में चिकित्सा संस्थानों के सघन निरीक्षण और नवाचारों से आए सुधारों को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नए भवनों के निर्माण, आधुनिक मशीनों की उपलब्धता तथा नवाचारों को प्रोत्साहन देने से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षानुरूप सुधार हो रहा है, इन सुधारों को और आगे बढ़ाने के लिए प्रोएक्टिव एप्रोच और स्मार्ट तरीकों के साथ काम किया जाए0।

मुख्य सचिव ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि प्रदेश में स्थापित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर ही गैर संचारी रोगों की प्रभावी स्क्रीनिंग कर लोगों को लाइफ स्टाइल डिजीज से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को भी और मजबूत किया जाए, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में और कमी लाकर स्वास्थ्य मानकों को बेहतर किया जा सके। मुख्य सचिव ने चाकसू में राजकीय उप जिला अस्पताल का निरीक्षण करने के दौरान यहां रोगीभार अधिक होने के दृष्टिगत क्यू मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने, रेफरल सिस्टम मजबूत करने, डिजिटिलाइजेशन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए0। उन्होंने अस्पताल के नए भवन के कार्य को गति देते हुए जल्द पूर्ण करने एवं तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए0। उन्होंने अस्पताल में रोगियों एवं उनके परिजनों से संवाद किया और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर फीडबैक लिया। रोगियों से प्राप्त सकारात्मक फीडबैक पर उन्होंने खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रोगियों की संतुष्टि ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का पैमाना है। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग की सराहना की। इसी प्रकार बीलवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर साफसफाई व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यहां एनसीडी रोगों की स्क्रीनिंग बढ़ाते हुए प्रभावी रेफरल सिस्टम विकसित किया जाए0। रेफरल का पूरा रिकॉर्ड सुनियोजित तरीके से संधारित किया जाए0। यहां स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन को और मजबूत कर रोगी भार बढ़ाया जाए, ताकि उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने पेलिएटिव केयर, जीरियाट्रिक केयर और प्रसूति सेवाओं को भी सुदृढ़ करने पर बल दिया।

## प्रदेश में नेट कंटेंट के परिपेक्ष्य में प्रीपैकेज्ड कमोडिटी में सही तौल सुनिश्चित करने हेतु 26 फर्मों पर की गई कार्यवाही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा पैकेज्ड कमोडिटी रूल्स, 2011 के अंतर्गत प्रि-पैकेज्ड वस्तुओं में उपभोक्ताओ को पूरा तौल मिलना सुनिश्चित किए जाने हेतु प्रदेश की मसाले, तेल ,आटा, नमकीन, डेयरीक्रीम, दूध, चायपत्ती आदि उत्पाद प्रीपैक करने वाले मैन्युफैक्चरर पैकर फ़र्मो पर नेट कंटेंट के परिपेक्ष्य में प्रदेश में कुल 26 निरीक्षण किये गये। विधिक मापविज्ञान अधिनियम - 2009 एवं डिब्बा बन्द वस्तुएँ नियम-2011 के अन्तर्गत 26 फर्मों पर निरीक्षण कारवाई की गई0। जिनमें से पैकेज्ड कमोडिटी नियम ,2011 के तहत तथा सत्यापन प्रमाण पत्र एवं सत्यापित बाट माप नही पाये जाने पर फर्मो पर प्रकरण दर्ज कर फर्मो के विरूद्ध मौके पर ही नोटिस जारी करने की कार्यवाही की जाकर 278500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

डिब्बा बंद वस्तुएं नियम के तहत फर्मो के विरूद्ध मौके पर ही नोटिस निरीक्षणों का उद्देश्य व्यापारियों को उपभोक्ताओं के व्यापक हित में सही माप तौल करने के लिये प्रेरित करने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनके मूल अधिकारों के बारे में सूचित किये जाने तथा उपभोक्ता हितों का संरक्षण करना है। किसी भी प्रकार की सेवा एवं वस्तुएं जो राशी देकर प्राप्त की गई है, उन सेवाओं और वस्तुओं की शुद्धता, गुणवता, मानक, मात्रा एवं सही माप तौल उपभोक्ता का विधिक अधिकार है इन अधिकारों के उल्लंघन पर उपभोक्ता, उपभोक्ता मामले विभाग को शिकायत कर सकता है।

राज्य उपभोक्ता हैल्पलाइन नं. 18001806030 एवं 14435 एवं वाट0सएप नं. 7230086030 पर शिकायत की जा सकती है।

उपभोक्ता हैल्पलाइन शिकायत दर्ज करने के साथ ही परामर्श सलाह एवं मार्गदर्शन का काम भी करती है।

# 150 साल बाद ज्ञान भंडार से बाहर आई दादागुरुदेव की पवित्र चादर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

जैसलमेर। स्वर्णनगरी जैसलमेर में आयोजित तीन दिवसीय दादागुरुदेव चादर महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को आस्था, श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत ऐतिहासिक भव्य वरघोड़ा निकाला गया। इस अवसर पर लगभग 150 वर्षों बाद सोनार दुर्ग स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के ज्ञान भंडार से दादागुरुदेव जिनदत्तसूरीजी महाराज की 871 वर्ष से भी अधिक प्राचीन पवित्र चादर को विधिवत पूजन-अर्चना के साथ बाहर लाया गया। जैन समाज में इस चादर का अत्यंत धार्मिक महत्व है और इसे गहन श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। वरघोड़ा महोत्सव स्थल पर पहुँच कर धर्मसभा में तब्दील हो गया। जहाँ पवित्र चादर का वासक्षेप सहित गंगोत्री और मानसरोवर से लाए गए जल से अभिषेक किया गया। दादा गुरुदेव जिनदत्त सूरि चादर समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में अवसर पर मंच पर गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि, आचार्य मनोज्ञ सागर सूरि, वसन्त विजय जी, महोत्सव समिति के अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत,मौजूद रहे। जैसलमेर में आयोजित चादर महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक तेजराज गोलेच्छा, राष्ट्रीय सचिव पद्म टाटिया, समन्वयक प्रकाश चंद लोढ़ा और समायोजक महेंद्र भंसाली है। मंच के दोनों तरफ़ जैन एवं हिंदू संतों के सान्निध्य में कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्राप्त हुई।

इस मौके पर गच्छाधिपति आचार्य जिनप्रभमणि सूरीश्वरजी महाराज ने कहा कि अमरसागर जैन मंदिर की स्थापना के समय चादर की पेटी नहीं खोली गई थी और इसे प्रतिष्ठा स्थल पर ही विराजित किया गया था। उन्होंने कहा कि आज जब यह पवित्र चादर बाहर आई है और हम सभी इसके दर्शन कर पा रहे हैं, तो यह अत्यंत गौरव और सौभाग्य का क्षण है। आचार्य ने जैसलमेर के पूज्य वृद्धिचंद्रजी महाराज के भावों को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने लगभग डेढ़ सौ वर्ष पूर्व इस पवित्र चादर को पाटन से जैसलमेर लाकर विराजित किया था। उन्होंने जैसलमेर जैन ट्रस्ट और यहां के जैन समाज के प्रवासी परिवारों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इतने वर्षों तक इस अमूल्य धरोहर को श्रद्धापूर्वक सुरक्षित रखा।

उन्होंने यह भी कहा कि जैसलमेर ऐसा स्थान है जहां केवल देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व से लोग आते हैं और यहां 36 कौमों का संगम होता है। इसलिए यहां जैन धर्म की विरासत और इतिहास को दर्शाने के लिए एक विशेष संग्रहालय (म्यूजियम) की स्थापना होनी चाहिए, जिससे जैन धर्म के सिद्धांतों और संस्कृति का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके तथा जैसलमेर की इस विरासत का संरक्षण हो सके।

चादर महोत्सव समिति के राष्ट्रीय सचिव पदम टाटिया ने बताया की गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि और जैन मुनियों के सानिध्य में पवित्र चादर को सोनार किले से गड़सीसर सर्किल तक लाया गया, जहां इसे विशेष रूप से तैयार किए गए भव्य रथ में विराजित किया गया। इसके बाद गच्छाधिपति आचार्य जिनप्रभमणि सूरीश्वरजी और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने हरी झंडी दिखाकर विशाल वरघोड़ा शोभायात्रा को प्रारंभ किया। पवित्र चादर का पूरे रास्ते सर्वसमाज ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।भव्य वरघोड़े में हजारों श्रद्धालु, जैन संत-मुनि, साध्वी एवं महात्मा शामिल हुए0। शोभायात्रा में 21 सजे-धजे घोड़े, 21 ऊंट, 2 हाथी, 20 नासिक ढोल की टीमें, कच्ची घोड़ी नृत्य दल, विशेष रूप से सजाया गया रथ तथा विभिन्न प्रांतों से आए लोक कलाकार आकर्षण का केंद्र बने। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा। गड़सीसर सर्किल से निकला यह वरघोड़ा नगर परिषद, एयरफोर्स सर्किल, नीरज सर्किल, हनुमान सर्किल और गीता आश्रम मार्ग से होते हुए डेडानसर मेला ग्राउंड स्थित महोत्सव स्थल पहुंचा। रास्ते भर श्रद्धालुओं ने पवित्र चादर के दर्शन कर जयकारों के साथ अपनी श्रद्धा व्यक्त की। महोत्सव स्थल पर परंपरानुसार पवित्र चादर को विशेष कांच के पात्र में विराजित किया गया।

आचार्य जिनप्रभमणि सूरीश्वरजी महाराज के सानिध्य में दीप प्रज्वलन और मंत्रोच्चारण के साथ चादर का विधिवत अभिषेक एवं पूजन संपन्न हुआ0। इस अवसर पर चादर को एक विशेष रथ में लाया गया था, जिसे पानी के जहाज के आकार में भव्य रूप से सजाया गया था।

# विजय ने महिलाओं को शादी के लिये सोना और 2500 रु. की मासिक सहायता देने का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने शनिवार को महिलाओं के लिए कई वादों की घोषणा की, जिनमें आगामी राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता, युवतियों को शादी के उपहार के रूप में सोना तथा साड़ी और सभी परिवारों को छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देना शामिल है।

विजय ने यहां के निकट मामल्लापुरम में टीवीके के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में कहा कि जब उनकी पार्टी टीवीके सत्ता में आएगी, तो सरकारी कर्मचारियों को छोड़कर 60 वर्ष की आयु तक की सभी महिलाओं को मासिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि 'अन्नपूर्णा सुपर सिक्स योजना' के तहत प्रतिवर्ष छह एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्कूलों में 'जीरो ड्रॉपआउट' सुनिश्चित करने के लिए 'कामराजार कालवी उरुथी थिट्टम' के तहत प्रत्येक मां या अभिभावक को 15,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में विजय ने अपने 20 मिनट के भाषण में कहा कि बसों में 'स्मार्ट पैनिक बटन' लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुविधा के लिए राशन की दुकानों, स्कूलों और कॉलेजों के माध्यम से मुफ्त सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाएंगे।

विजय ने महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए पांच लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त आवंटन की भी घोषणा की।

अभिनेता से नेता बने विजय ने आश्वासन दिया कि तमिलनाडु में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को राज्य सरकार के 'आशीर्वाद' के रूप में सोने की एक अंगूठी और शिशु पाउडर, शिशु तेल, डायपर से युक्त एक 'वेलकम किट' दी जायेगी। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा, महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति (जीरो टॉलरेंस), महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस में 'रानी वेलू नचियार' इकाई का गठन और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष त्वरित न्यायालयों की घोषणा की।

विजय ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य के 43.9 लाख करोड़ रुपये के बजट में से ''30 प्रतिशत स्टालिन सर टैक्स'' के रूप में लूट और भ्रष्टाचार का पैसा वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा, ''ये चुनावी आश्वासन एक 'भ्रष्टाचार मुक्त और बेहतरीन शासन व्यवस्था' द्वारा पूरे किए जा सकते हैं।'' उन्होंने टीवीके द्वारा आयोजित महिला दिवस कार्यक्रम में मंच पर आमंत्रित महिलाओं का अभिवादन किया।

# किसानों से बात करके नारियल संवर्धन योजना को देंगे अंतिम रूप : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को चेन्नई पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज मैं नारियल उत्पादक राज्यों के किसानों से मिलने आया हूं। आईआईटी चेन्नई में तमिलनाडु सहित नारियल उत्पादक राज्यों के किसान, कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, अधिकारी, नारियल बोर्ड के अध्यक्ष और भारत सरकार के सभी अधिकारी एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने नारियल उत्पादक किसानों के लिए नारियल संवर्धन योजना बनाई है जिसकी घोषणा वित्त मंत्री ने बजट के समय की थी। नारियल संवर्धन योजना में किसानों से बात करके अंतिम रूप देंगे। इसका टारगेट उत्पादन बढ़ाना, उत्पादकता बढ़ाना और गुणवत्ता बढ़ाना है। ऐसे सारे प्रयत्न जिससे हम नारियल किसानों के इनकम बढ़ा सके। किसानों से चर्चा करने के बाद नारियल संवर्धन बोर्ड की योजना बनेगी। उन्होंने कहा कि जब भी मैं तमिलनाडु की इस पवित्र भूमि पर आता हूं, मेरा हृदय आनंद और प्रसन्नता से भर उठता है। मैं तमिलनाडु के महान जनमानस, इसकी संस्कृति, इसके मूल्यों, इसकी परंपराओं और इसके महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूं। तमिलनाडु भारत का हृदय है।

उन्होंने कहा कि आज मैं एक विशेष उद्देश्य से आया हूं। तमिलनाडु भारत में, विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में, नारियल उत्पादन में अग्रणी राज्य है। लगभग 12.5 करोड़ किसान नारियल की खेती करते हैं और लगभग 3 करोड़ लोग अपनी आजीविका के लिए नारियल पर निर्भर हैं। तमिलनाडु के किसान कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नारियल के बाग काफी पुराने हो गए हैं। 60-60 वर्ष पुराने नारियल के पेड़ों में उत्पादन कम हो गया है। उत्पादकता घट गई है, कई बीमारियां अटैक कर रही हैं। जिसकी वजह से उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जरूरत इस बात की है कि इन रोगों को हम कैसे रोकें? अच्छी किस्म तैयार करके जो जलवायु के अनुकूल हो, जिनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता हो, जो बैक्टीरिया, वायरस का मुकाबला कर पाएं, जिनकी उत्पादकता अधिक हो, जिनकी क्वालिटी बेहतर हो।

# आरएन रवि अब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल, लोक भवन में मुख्यमंत्री स्टालिन ने की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई स्थित लोक भवन में राज्यपाल आरएन रवि से मुलाकात कर उन्हें पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। इस मौके पर स्टालिन ने सम्मान के तौर पर उन्हें शॉल ओढ़ाया और संत तिरुवल्लुवर की प्रतिमा भेंट की।

दरअसल, आरएन रवि का तमिलनाडु से प. बंगाल स्थानांतरण कर दिया गया है। उन्होंने 18 सितंबर 2021 को तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में पदभार संभाला था। उनके चार साल के कार्यकाल के दौरान राज्य सरकार और राजभवन के बीच कई बार टकराव की स्थिति भी देखने को मिली। वर्ष 2021 में पद संभालने के बाद से डीएमके सरकार और राज्यपाल के बीच कई मुद्दों पर मतभेद रहे। ये टकराव संवैधानिक, कानूनी और राजनीतिक स्तर पर भी देखने को मिले, जिससे यह संबंध अक्सर चर्चा में बना रहा। आरएन रवि 1976 बैच के आईपीएस अधिकारी (केरल कैडर) रहे हैं। अपने लंबे करियर में उन्होंने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और सीबीआई में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। राज्यपाल बनने से पहले आरएन रवि नागा शांति वार्ता के लिए भारत सरकार के प्रमुख वार्ताकार (इंटरलॉक्यूटर) भी रहे थे। इसके अलावा वे 2019 से 2021 तक नागालैंड के राज्यपाल भी रह चुके हैं और इस दौरान उन्हें मेघालय का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया था। बता दें कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 153 के अनुसार हर राज्य के लिए एक राज्यपाल होता है। राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। संविधान के अनुच्छेद 155 के तहत राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुहर लगे आदेश से राज्यपाल की नियुक्ति करते हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया में केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आमतौर पर, राष्ट्रपति उसी व्यक्ति को राज्यपाल नियुक्त करते हैं, जिसके नाम की सिफारिश प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद करती है। सामान्य रूप से राज्यपाल का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। हालांकि संविधान के अनुच्छेद 156 के अनुसार राष्ट्रपति चाहें तो राज्यपाल को किसी भी समय पद से हटा सकते हैं।

# प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर देश के साथ 'विश्वासघात' किया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर देश के साथ ''विश्वासघात'' किया है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि इस समझौते से भारत के किसानों और छोटे व्यवसायों को नुकसान होगा। वह केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन के नेतृत्व में राज्यव्यापी 'पुथुयुग यात्रा' के समापन समारोह का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री ने देश को निराश किया है। उन्होंने देश के साथ विश्वासघात किया है। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी समझौते पर हस्ताक्षर कर देश के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने दावा किया कि इस समझौते के परिणाम आम लोगों, जिनमें किसान और छोटे व्यवसायी शामिल हैं, को भुगतने पड़ेंगे। गांधी ने कहा, ''इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने भारतीय कृषि को अमेरिकी कृषि के लिए नहीं खोला।'' उन्होंने दावा किया कि अब बड़ी, मशीनीकृत अमेरिकी कंपनियां छोटे भारतीय किसानों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिससे देश के कृषि क्षेत्र में तबाही' मच जाएगी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में समझौता किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इशारों पर चलते हैं, ठीक उसी तरह, केरल के मुख्यमंत्री भी मोदी के इशारों पर चलते हैं। गांधी ने भाषण के दौरान क्रिकेटर संजू सैमसन का भी जिक्र किया और कहा उन्हें यह जानकर अच्छा लगा कि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज तिरुवनंतपुरम के हैं। केरल विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत पार्टी द्वारा 30 दिन पहले शुरू की गई यह यात्रा राज्य के सभी जिलों से गुजरी। इस कार्यक्रम में एआईसीसी और राज्य इकाई के नेता भी मौजूद थे। इन नेताओं में सचिन पायलट और दीपा दासमुंशी शामिल हैं। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सतीशन ने यात्रा को अपने राजनीतिक जीवन का सबसे अनमोल अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने इस यात्रा के दौरान राज्य सरकार के खिलाफ 'आरोपपत्र' पेश किया है। सतीशन ने कहा कि यूडीएफ सुशासन पर आधारित और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से एक ''नव-केरल मॉडल'' पेश करेगा। उन्होंने कहा, केरल सरकार के सचिवालय को देश में सबसे कुशल बनाया जाएगा।'' उन्होंने जनता के प्रति जवाबदेही और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार जैसे क्षेत्रों में सुधार का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि गरीबों की समस्याओं के समाधान के लिए भी परियोजनाएं चलाई जाएंगी। सतीशन ने विश्वास व्यक्त किया कि यूडीएफ आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापसी करेगा और उसे 100 से अधिक सीट मिलेंगी।

# पलानीस्वामी का भी वही हश्र होगा जो बिहार के मुख्यमंत्री का हुआ है: स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मदुरै।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी का भी वही हश्र होगा, जो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भाजपा के हाथों हुआ है।

स्टालिन ने कहा कि पलानीस्वामी केवल 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव तक ही अन्नाद्रमुक के प्रमुख रहेंगे और बाद में भाजपा उन्हें बाहर का रास्ता दिखा देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी ''विश्वासघात'' के प्रतीक हैं।

स्टालिन ने मदुरै में आयोजित एक रैली में ओ पनीरसेल्वम के सैकड़ों समर्थकों का द्रमुक में स्वागत करने के बाद कहा, !!भाजपा पलानीस्वामी को अन्नाद्रमुक महासचिव के शीर्ष पद से हटा देगी और उस पद पर अपनी पसंद के नेता को लाएगी।''

अन्नाद्रमुक से निष्कासित पनीरसेल्वम 27 फरवरी को चेन्नई में स्टालिन की उपस्थिति में अपने पूर्व सांसद बेटे ओ रवींद्रनाथ के साथ द्रमुक में शामिल हो गए थे।

# राहुल गांधी ने केरल में शिवगिरि मठ का दौरा किया

**तिरुवनंतपुरम।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को यहां वर्कला स्थित शिवगिरि मठ गये। केरल के दो दिवसीय दौरे पर आए लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी का मठ में संत और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु द्वारा स्थापित आश्रम के अध्यक्ष स्वामी सच्चिदानंद और अन्य पदाधिकारियों ने केसरी रंग की एक बड़ी माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने नारायण गुरु से जुड़े मठ के विभिन्न भागों का दौरा किया और 'गुरु की समाधि' पर भी मत्था टेका। राहुल गांधी ने इस दौरे के बाद फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने शिवगिरि मठ में दर्शन किए, जो श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं से प्रेरित एक पवित्र स्थान है, जिनका सत्य, समानता और करुणा का शाश्वत संदेश हमारे आगे के मार्ग को रोशन करता रहता है।'' उन्होंने कोल्लम में महात्मा गांधी और श्री नारायण गुरु के बीच हुई मुलाकात की शताब्दी के उपलक्ष्य में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया था।

# व्हीलचेयर पर बैठकर जीती जंग : केरल की डॉ. अथिरा ने सिविल सेवा परीक्षा में पायी 483वीं रैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोझिकोड/भाषा।** करीब दस साल पहले एक सड़क दुर्घटना के बाद से व्हीलचेयर पर निर्भर रहने वाली केरल के कोझिकोड की 30 वर्षीय डॉ. अथिरा सुगुथन ने सिविल सेवा परीक्षा में 483वीं रैंक हासिल कर यह साबित कर दिया है कि साहस और दृढ़ संकल्प किसी भी शारीरिक अक्षमता को पीछे छोड़कर कामयाबी के रास्ते पर ले जा सकता है। अथिरा ने शनिवार को बताया कि जब वह बेंगलूरु में बीडीएस (बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी) की पढ़ाई कर रही थीं, तब एक सड़क दुर्घटना में उनके सिर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई थीं। इसके कारण उनकी दो साल तक याददाश्त भी चली गई थी।

उन्होंने कहा, ''शुरुआत में चिकित्सकों का मानना था कि मैं जीवनभर बिस्तर पर ही रहूंगी। लेकिन जब मेरी उंगली में हलचल हुई, तो हालात बदलने लगे।'' उन्होंने बताया कि याददाश्त खोने के उन दो वर्षों के दौरान उन्हें यह भी याद नहीं था कि उन्होंने तीन साल तक बीडीएस की पढ़ाई की थी। अथिरा ने एक टेलीविजन चैनल से कहा, ''जब मैं ठीक हुई, तो मैंने बीडीएस पूरा करने का फैसला किया। लेकिन मुझे पहले तीन साल में पढ़ी हुई कोई भी चीज याद नहीं थी। इसलिए मैंने एक साल में फिर से सब कुछ पढ़ा और उसके बाद अंतिम परीक्षा दी।'' उन्होंने बताया कि उस कठिन समय में उनके माता-पिता और उनकी बहन अनघा ने उनका बहुत साथ दिया।

उन्होंने कहा, दुर्घटना के समय अनघा मनोविज्ञान की दूसरे वर्ष की छात्रा थी। उसने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और मेरी देखभाल के लिए बीएससी नर्सिंग में दाखिला ले लिया। अब वह एक नर्स के रूप में काम कर रही है।'' अथिरा ने कहा कि वह हमेशा से विदेश खासकर फ्रांस में एमडीएस करना चाहती थीं, लेकिन दुर्घटना के कारण उनके सपने टूट गए। उन्होंने कहा, ''व्हीलचेयर पर निर्भर रहने के दौरान और एक एनजीओ के दिव्यांगता प्रकोष्ठ में काम करते हुए मुझे समझ आया कि मैं क्या कर सकती हूं और मुझे क्या करना चाहिए। वहीं से सामाजिक सेवा मेरे जीवन का सपना बन गई।''

अथिरा ने कहा कि अगर यह दुर्घटना नहीं हुई होती, तो उन्होंने शायद कभी सिविल सेवा में जाने के बारे में नहीं सोचा होता। उन्होंने कहा कि वह भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी बनने तक प्रयास जारी रखेंगी। सिविल सेवा परीक्षा के लिए उन्होंने मलयालम साहित्य विषय चुना, क्योंकि उन्हें यह विषय पसंद था और इसके लिए उनके पास आवश्यक अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध थी। अथिरा ने बताया कि वह मलयालम में कहानियां लिखती हैं। उनकी हाल की कहानी उनकी मां पर आधारित है, जो दुर्घटना के बाद जीवन को पटरी पर लाने की उनकी यात्रा में सबसे बड़ा सहारा'' रही हैं। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शुक्रवार को परीक्षा के परिणाम घोषित किए, जिसमें 958 उम्मीदवार सफल हुए हैं और उन्हें विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति मिलेगी।

# टीवीके प्रमुख विजय की पत्नी ने ससुराल में रहने के लिए अदालत से अनुमति मांगी

**चेन्नई।** तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय से तलाक के लिए अर्जी दायर कर चुकी उनकी पत्नी संगीता ने अदालत में एक नया हलफनामा दाखिल कर अंतरिम आदेश की मांग की है कि उन्हें मूल याचिका के निपटारे या अभिनेता-राजनेता द्वारा वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराए जाने तक यहां उनके ससुराल में रहने की अनुमति दी जा सके। संगीता ने अपने हलफनामे में कहा कि उन्होंने प्रतिवादी विजय के खिलाफ विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत एक मूल याचिका दायर की है, जिसमें 25 अगस्त 1999 को चेन्नई में उनके साथ संपन्न हुए विवाह को निरस्त करने की मांग की गई है। उन्होंने विजय से उचित और स्थायी गुजारा भत्ता की मांग भी की है।

उन्होंने कहा कि मूल याचिका दायर करने से पहले उन्होंने आपसी सहमति से गरिमापूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से विवाह विच्छेद सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की। हालांकि, उनके ये प्रयास सफल नहीं हुए और सौहार्दपूर्ण समाधान नहीं निकल सका। उन्होंने कहा, ''इसके विपरीत, इन परिस्थितियों में प्रतिवादी ने अपने वकील के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया कि यदि याचिकाकर्ता तलाक की मांग करते हुए अदालत में जाने का विकल्प चुनती है, तो उसे सुसराल में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।''

हालांकि, संगीता ने कहा कि उनके पास (इस) परिवार की स्थिति के अनुरूप कोई अन्य आवास नहीं है और वह एक ब्रिटिश नागरिक हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्हें तलाक लेने के लिए विवश होना पड़ा है, क्योंकि उन्होंने अपनी मूल याचिका में पहले ही इसके कारण बता दिए थे। उस याचिका में उन्होंने कहा था कि विजय के साथ उनका विवाह पूरी तरह से टूट चुका है। उन्होंने बताया कि यह सब उनके पति के एक अभिनेत्री के साथ विवाहेतर संबंध के कारण हुआ था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि विजय ने उन्हें लगातार मानसिक क्रूरता, उपेक्षा और परित्याग का शिकार बनाया था। उन्होंने कहा था कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वह अभिनेत्री को दूसरे प्रतिवादी के रूप में शामिल कर लेंगी। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने अदालत से एक अंतरिम आदेश पारित करने का अनुरोध किया।

# निष्पक्ष मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला, केरल चुनाव वैश्विक मॉडल बनेगा : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोच्चि/भाषा।** मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को कहा कि निष्पक्ष मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है और मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) स्पष्ट उद्देश्य से किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र मतदाता मतदान से वंचित न रह जाए। उन्होंने यहां आगामी केरल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि लोकतंत्र राज्य के लिए नया नहीं है और केरल ने देश के कई हिस्सों को लोकतांत्रिक तौर-तरीके सिखाए हैं।

कुमार ने राज्य से अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि केरल 18 वर्षों तक उनका कार्यस्थल रहा है और लगभग 22 वर्ष पूर्व उन्होंने एर्नाकुलम जिलाधिकारी के रूप में कार्य किया था। उन्होंने कहा कि केरल में आगामी विधानसभा चुनाव वैश्विक स्तर पर एक मिसाल कायम करेंगे और उन्होंने आशा जताई कि मतदाता लोकतंत्र के इस उत्सव' में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। केरल में विधानसभा की 140 सीट हैं, जिनमें 124 सामान्य, 14 अनुसूचित जाति के लिए और दो अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित हैं।

वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, 2026 को समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा, निष्पक्ष मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। हाल ही में किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) का एक ही स्पष्ट उद्देश्य था, यह सुनिश्चित करना कि कोई भी पात्र मतदाता बाहर न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति शामिल न हो। कुमार ने बताया कि राज्य भर में 30,471 मतदान केंद्र होंगे, जिनमें लगभग 5,000 नए केंद्र शामिल हैं और 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे।

उन्होंने बताया कि 397 मतदान केंद्रों का प्रबंधन पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जाएगा और 790 से अधिक आदर्श मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि 85 वर्ष से अधिक आयु के दो लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक और 100 साल से ज्यादा 1,571 बुजुर्ग घर से मतदान करने के पात्र होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि 18 से 29 वर्ष की आयु के 49 लाख से अधिक युवा मतदाता मतदान करने के पात्र हैं। केरल में पहली बार 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' पर उम्मीदवारों की तस्वीरें प्रदर्शित की जाएंगी, ताकि मतदाता आसानी से अपने उम्मीदवार की पहचान कर सकें। मतदाता सूचना पर्चियां भी वितरित की जाएंगी।

कुमार ने बताया कि निर्वाचन आयोग का ईसीआई नेट मोबाइल सॉफ्टवेयर 40 से अधिक एप्लिकेशन को एकीकृत करता है और हितधारकों को वास्तविक समय में चुनाव संबंधी डेटा उपलब्ध कराएगा। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की जाएगी।

# ईरानी जहाज की तस्वीरें लेने के आरोप में टीवी रिपोर्टर और कैमरामैन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोच्चि/भाषा।** पुलिस ने कोचीन बंदरगाह के उच्च सुरक्षा क्षेत्र में घुसपैठ करने और एक ईरानी जहाज की तस्वीरें लेने के आरोप में शनिवार को दो मीडियाकर्मियों और एक नाव चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने उस ईरानी जहाज की तस्वीरें लीं जो भारत सरकार के राजनयिक निर्णय के तहत यहां लंगर डाले हुए है।

बंदरगाह पुलिस ने प्राप्त सूचना के आधार पर मामला दर्ज कर एक प्रमुख टीवी चैनल के रिपोर्टर, उसके कैमरामैन और एक 'स्पीड बोट' चालक को गिरफ्तार किया। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार आरोपियों ने सुबह लगभग 7:50 बजे विलिंगटन द्वीप स्थित कोचीन बंदरगाह के उच्च सुरक्षा क्षेत्र में अवैध रूप से घुसपैठ की। आरोपियों ने इन दृश्यों को प्रसारित करने का प्रयास किया, जिनसे देश, विशेष रूप से राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और आधिकारिक गोपनीयता कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

**सुविचार**

**गरीब को हंसते हुए देख कर दिल को यकीन हो गया कि खुशियां कभी पैसे से नहीं आ सकती।**

**ट्वीट**

मुझे याद है कि नवंबर 2023 में जब मैं कोटा आया था, तब मैंने कोटा की जनता से एक वादा किया था। मैंने कहा था कि कोटा का एयरपोर्ट सिर्फ एक सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि उसे साकार करके दिखाया जाएगा।

-नरेन्द्र मोदी

हाड़ौती और संपूर्ण राजस्थान के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोटा-बून्दी को मिलने जा रहे ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का आज शिलान्यास एवं भूमि पूजन होने जा रहा है।

-ओम बिरला

## कहानी

# एक और परीक्षा

**अचानक ऑटो चालक की आवाज सुनकर वह वर्तमान में लौटी। उसने देखा कि वह बाबूजी के घर पहुंच गई थी। धीमी बारिश उस समय भी हो रही थी। उसने चालक को पैसे दिए और अपना थैला संभालते हुए घर के अंदर आ गई। दोनों भाई सपत्नीक किसी बातचीत में मशगूल थे। उसे देखकर सभी चुप हो गए । उसने अपने भाइयों से बाबूजी की मृत्यु के बाद होने वाले सभी काम धर्म और शास्त्रों के अनुसार ही कराने का कहा।**

आसमान में सुबह से ही घने बादलों की आवाजाही के साथ शहर में हो रही बारिश थमने का नाम ही नहीं ले रही थी। घड़ी में समय के साथ बढ़ती सुईयों की आवाज कमरे में नेहा और उसके अपाहिज पुत्र के अलावा अपनी भी उपस्थिति दर्ज करवा रही थीं0। उसका दूसरा पुत्र अपने ननिहाल में काम में हाथ बंटाने के लिए सुबह ही बारिश शुरु होने से पहले वहां चला गया था। बारिश थमने का इंतजार करते हुए उसका किसी भी काम में मन नहीं लग रहा था। उसके पिता ( बाबूजी ) की मृत्यु हुए आज दो दिन ही हुए थे। दोपहर होने से पहले वह अपने घर के बाहर आकर मजबूती से पॉलीथिन में रखे थैले को पकड़े हुए बारिश से बचते हुए ऑटो रिक्शा का इंतजार करने लगी। एक ऑटो रिक्शा चालक द्वारा बाबूजी के घर तक पहुंचाने का ज्यादा पैसे मांगने पर भी वह उसमें बैठ गई और उसे चलने का कहा। वह जल्दी से जल्दी अपने बाबूजी के घर जाकर दोनों भाइयों को कहकर सभी धार्मिक और सामाजिक कार्य भाइयों द्वारा निष्ठापूर्वक करवाना चाहती थी। इस कार्य में आने वाली भाइयों की मानसिक उलझन को उसने अपने स्तर पर तो दूर कर ही दिया था। अपने भाइयों के व्यवहार से उसे आश्चर्य हो रहा था। उसके लिए यकीन कर पाना मुश्किल हो गया था कि सम्पन्न होने के बावजूद उसके दोनों भाई और उनके परिवार के सभी सदस्य इतने संवेदनहीन कैसे हो गए थे ? क्या संतान के प्रति फर्ज़ निभाने का धर्म सिर्फ़ माता- पिता का होता है ? क्या संतान का माता - पिता के प्रति कोई फर्ज़ नहीं होता ? क्या पैसों के लालच ने उनकी माननीय संवेदनाओं को खोखला कर दिया था ? इन्ही सवालों के जवाब ढूंढने की कोशिश में वह अपने परिवार से जुड़ी अतीत की यादों में खो गई0।

सामाजिक संस्कारों और मूल्यों की पालना करने वाले एक कुलीन ब्राह्मण परिवार में जन्मी नेहा तीन भाई बहिनों में सबसे बड़ी थी। उसमें और दोनों छोटे भाइयों की उम्र में एक दो साल का ही फर्क था। नेहा की माँ गृहणी और बाबूजी एक प्राइवेट शुगर मिल में सुपरवाइजर के पद पर काम करते थे। कम उम्र में ही माँ की मृत्यु हो जाने के बाद बाबूजी पूरी तरह टूट गए थे। गुजरते वक़्त के साथ उन्होंने किसी तरह खुद को और बच्चों को संभाला । दोनों भाइयों की देखभाल और घर के कामों के कारण नेहा दसवीं कक्षा से आगे नहीं पढ़ सकी। बाबूजी ने अपने बच्चों के लिए ताउम्र माता और पिता का फर्ज़ निभाया। नेहा ने भी समय रहते भाइयों के प्रति अपना फर्ज़ समझते हुए उनका भविष्य बनाने में यथासंभव पूरा योगदान दिया। बाबूजी ने अपनी आय के सीमित संसाधनों के बावजूद अपने दोनों पुत्रों को अच्छी शिक्षा दिलाने के भरसक प्रयास किए0। अपनी जरुरतों और इच्छाओं की पूर्ति नहीं करते हुए उन्होंने बच्चों की जरुरतों और इच्छाओं की पूर्ति करने में ही खुद को झोंके रखा। उनके इन्ही प्रयासों से नेहा के दोनों भाई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करने के बाद कम्पनियों में उच्च पद पर नौकरी लग पाए थे। अपने दोनों पुत्रों की उच्च शिक्षा के लिए बैंक और अन्य संस्थाओं से लिए गए ऋण की मासिक किश्तें चुकाते - चुकाते ही बाबूजी किराये के मकान में रहते हुए शुगर मिल से एक दिन विधिवत रिटायर भी हो गए0। उनके रिटायरमेंट से पहले नेहा का विवाह कंस्ट्रक्शन का काम करने वाले गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टर राजन से हो गया था। नेहा इसी शहर में अपने ससुराल में खुश थी।

उसके दोनों भाई दूसरे अलग - अलग शहरों में नौकरी लगने के कारण वहां चले गए थे। बाबूजी ने उनमें से किसी के भी साथ जाने के लिए साफ मना कर दिया था। बच्चों के बाहर जाने के बाद वे बरसों से किराये के मकान में एकदम अकेले हो गए थे। लेकिन उनका मन इसी शहर और माहौल में लगता था । मकान मालिक को भी उनके वहां रहने में कोई आपत्ति नहीं थी। रिटायरमेंट के समय मिले पैसों को बाबूजी ने बैंक में जमा करा दिया था । बाबूजी उससे ब्याज से मिलने वाले उनका गुजारा करने के लिए पर्याप्त थे। नेहा बाबूजी से मिलने और उन्हे संभालने सप्ताह में एक बार आ जाया करती थी । बाबूजी अपना ज्यादातर समय पूजा पाठ में व्यतीत करने लगे थे। अपना कुछ समय वे समाज सेवा में भी दिया करते थे।

वक़्त पंख लगाकर उड़ रहा था। दोनों भाइयों ने बाबूजी से अनुमति लिए बगैर अपने साथ ऑफिस में काम करने वाली सहकर्मियों के साथ अंतरजातीय विवाह कोर्ट में जाकर कर लिया था। यह सब जानने के बाद बाबूजी मन ही मन बहुत दुखी हुए थे। उन्होने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके पुत्र पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों की खुलेआम अवहेलना करेंगे । लेकिन उनके मन की बात सुनने वाला उस वक़्त वहां कोई नहीं था। दिमागी परेशानी के बावजूद बच्चों की खुशी में अपनी खुशी मानते हुए, मन को किसी तरह समझाते हुए वे शांत रहे। वे यह भलीभांति जानते थे कि इसके अलावा वे कुछ कर भी नहीं सकते थे। अपनी और परिवार की समाज में प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए बाबूजी ने दोनों पुत्रों के नहीं चाहते हुए भी उनके विवाह का रिसेप्शन इसी शहर में दिया था। अपने - अपने शहर जाने के बाद वक़्त के साथ दोनों का इस शहर आना धीरे - धीरे कम होता गया था। दोनों भाइयों के दो - दो बच्चे हुए । नेहा के भी दो बच्चे हुए0। लेकिन नेहा का बड़ा लड़का अपाहिज था।

कहते हैं न कि परेशानियां कभी सूचना देकर नहीं आतीं0। ऐसा ही कुछ नेहा के साथ भी हुआ0। राजन की अचानक मालूम

चली असाध्य बीमारी और कुछ समय बाद ही उसकी मृत्यु से नेहा का हंसता खेलता संसार ही उजड़ गया। वक़्त ने छोटी उम्र में ही उसकी ज़िंदगी की दशा और दिशा ही बदल दी थी। राजन के साथ देखे भविष्य के सपने टूटकर उसके चारों ओर बिखरे पड़े थे। उसे अपने चारों ओर अंधकार नज़र आने लगा था। उसके दिल और दिमाग में अपने और बच्चों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के बीज पनपने लगे थे। उसकी ज़िंदगी के मायने ही बदल गए थे। राजन का कमाया हुआ अधिकतर पैसा उसके मंहगे इलाज में लग गया था। राजन की मृत्यु के बारह दिन बाद उसके सभी रिश्तेदारों और घरवालों ने एक - एक कर नेहा से किनारा कर लिया था। इसके लिए नेहा ने किसी और को दोष भी नहीं दे सकती थी क्योंकि उसके दोनों भाइयों ने भी ऐसा ही किया था। ऐसे वक़्त पर एक बार फिर पूरी तरह टूट चुके बाबूजी ने उसकी हिम्मत बंधाई0। बाबूजी ने पैसों से मदद करने के अलावा बाद में अपने एक जानकार को कहकर उसके स्कूल में नेहा को सहायिका की नौकरी पर भी लगवाया। राजन का खुद का मकान होने के कारण नेहा को अपने बच्चों के साथ गुजारा करने के लिए स्कूल से मिलने वाला पैसा पर्याप्त था। बाबूजी भी उसके बिना मांगे कभी मदद कर दिया करते थे। दोनों भाइयों ने उसकी किसी तरह की भी मदद के बारे में कभी सोचा ही नहीं । उसकी तो बात छोड़ो वो बाबूजी से भी कभी उनकी किसी जरुरत के बारे में नहीं पूछते थे। आर्थिक रुप से सम्पन्न होते हुए भी उन्होंने इस शहर में , बाबूजी के रहने के लिए ही सही , मकान बनाने या खरीदने के बारे में नहीं सोचा। बाबूजी के दुनिया से जाने के बाद मकान तो उन्हे ही मिलना था।

वक़्त के साथ बढ़ती उम्र के कारण बाबूजी का स्वास्थ्य भी गिरता जा रहा था । वे फोन पर भी ढंग से बात नहीं कर पाते थे। जो कल तक दूसरों का सहारा बने रहे आज उन्हे खुद सहारे की जरुरत थी। नेहा ने बाबूजी को कई बार उसके साथ ही रहने के लिए कहा। लेकिन उन्होने उसे अपनी सामाजिक विवशता बताए बिना ही मना कर दिया । वह इस बात को समझ गई थी। उसने दोनों भाइयों को भी फोन पर बाबूजी की समस्या के बारे में विस्तार से कई बार बताया। इस समस्या का निदान इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि भाई न तो इस शहर आना चाहते थे और न ही बाबूजी को इस हालत में साथ में रखना चाहते थे। नेहा बाबूजी का दोनों समय का खाना बनाकर नियम से अपने छोटे बेटे के साथ भेज देती थी। दिन में तो वह एक बार जाकर बाबूजी को खाना खिलाकर और संभालकर आ जाती थी। रात को उसका छोटा बेटा बाबूजी का ध्यान रखने , समय पर खाना खिलाने और दवा आदि देने के लिए उनके पास ही रहता था। उनके मोहल्ले वाले भी नेहा के दोनों भाइयों के इस तरह के व्यवहार से सोच में पड़ जाते थे कि कोई भी व्यक्ति अपने पिता के साथ ऐसे कैसे कर सकता था। एक हो तो छोड़ो यहां तो उसके दोनों ही भाई समान मानसिकता वाले थे। उनकी पत्नियां और बच्चे भी न जाने बाबूजी के बारे में कैसी सोच रखते थे ? बाबूजी अपनी लड़खड़ाती हुई जुबान से उसे आशीर्वाद देते हुए कहते थे नेहा , बेटी होते हुए भी तू बेटे का फर्ज़ निभा रही है। जबकि भगवान ने मुझे दो बेटे दिए हैं । भगवान ने भी तेरी किस्मत में न जाने कितनी और कैसी परीक्षाएं लिखी हैं..... यह कहते हुए उनकी आंखें नम हो जाती थीं0। नेहा प्यार से उनका हाथ अपने सिर पर रख देती थी।

दो दिन पहले ही बाबूजी का स्वास्थ्य ज्यादा खराब होने पर उसने दोनों भाइयों को स्थिति से अवगत करा यहां बुला लिया था। अगले दिन जब तक वो यहां पहुंचते उससे पहले ही बाबूजी अपना नश्वर शरीर छोड़कर दुनिया से दूर कभी न लौटकर आने के लिए जा चुके थे। घर से बाबूजी की अंतिम यात्रा के समय बिलखती हुई नेहा की आंखों से बहते आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। वहीं बाबूजी के दोनों पुत्रों और पुत्र वधूओं की आंखें नम तक नहीं हुई थीं0। उनके बच्चे भी चेहरे पर बिना किसी भाव के वहां खड़े थे। ताउम्र अभावग्रस्त ज़िंदगी जीने वाले बाबूजी का नश्वर शरीर उनके पास खड़े महंगे कपड़े , घड़ी , स्वर्ण आभूषण पहने और चमचमाती विदेशी कारों में आए अपने ही पुत्रों और पौत्रों को देख नहीं पा रहा था। जिनको उन्होने खुद को भुलाकर इस क़ाबिल बनाया। दोपहर को बाबूजी का अंतिम संस्कार करने के बाद सभी घर आ गए थे। शाम को पंडित जी ने उसके भाइयों को बाबूजी की मृत्यु के तीसरे , दसवें और बारहवें दिन होने वाले धार्मिक कार्यों और पूजा आदि के बारे में बताया। इन दिनों में पूजा और अन्य काम में आने वाले सामान की लिस्ट देकर अगले दिन आने का कहकर पंडित जी चले गए0। सामान की लिस्ट देखकर दोनों भाई एक दूसरे से धीमी आवाज में बातें करने लगे।

कुछ देर बाद नेहा की ओर देखते हुए एक भाई ने कहा आजकल समय किसके पास है जो किसी की मृत्यु उपरांत ये सब पाठ पूजा पाठ करे। बाबूजी छोड़कर भी कुछ नहीं गए हैं0। इसलिए हम लोग तीन दिनों तक ही शोक रखेंगे । पंडित जी को कल हम कह देंगे कि जरुरी धार्मिक और सामाजिक कार्य तीन दिनों में ही पूरे करवा दें0। मृत्यु भोज में हम विश्वास नहीं रखते। हमारे लिए यह केवल पैसों की बर्बादी है। तीन दिन के बाद हम अपने - अपने शहर चले जाएंगे। हमारा यहां पर इसके बाद काम ही क्या है ? यहां पर अपने साथ रखने , बेचने या ले जाने लायक बाबूजी का कोई सामान है नहीं0। किराये के इस मकान को खाली करके सामान किसी गरीब को दे देंगे..... यह सुनते ही नेहा की आंखें नम हो गईं0। उसे समझ नहीं आ रहा था कि इस स्थिति में वह क्या बोले और क्या करे ? सामाजिक और संस्कारित माता - पिता के दोनों पुत्रों की यह कैसी मानसिकता थी ? वह उन्हे बिना कुछ कहे अपने घर लौट आई0। उसे अपने अपाहिज पुत्र को भी संभालना था। वह बाबूजी की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए धर्म और शास्त्रों के अनुसार बारह दिन तक होने वाला हर काम कराना चाहती थी। दोनों भाइयों ने बाबूजी के लिए उनके जीवनकाल में एक पैसा भी नहीं खर्चा था । उनकी मृत्यु के बाद भी कुछ खर्च करने के लिए दोनों तैयार नहीं थे।

अचानक ऑटो चालक की आवाज सुनकर वह वर्तमान में लौटी। उसने देखा कि वह बाबूजी के घर पहुंच गई थी। धीमी बारिश उस समय भी हो रही थी। उसने चालक को पैसे दिए और अपना थैला संभालते हुए घर के अंदर आ गई0। दोनों भाई सपत्नीक किसी बातचीत में मशगूल थे। उसे देखकर सभी चुप हो गए । उसने अपने भाइयों से बाबूजी की मृत्यु के बाद होने वाले सभी काम धर्म और शास्त्रों के अनुसार ही कराने का कहा। इससे पहले कि वो कुछ बोलते , उसने अपने थैले में से रुपये निकालकर उनके सामने रखते हुए कहा बाबूजी ने अपने गिरते स्वास्थ्य को देखते हुए बैंक में अपने बचे हुए सारे रुपये निकालकर मेरे यहां रख दिए थे। अपनी जरुरत के अनुसार वे मुझसे रुपये ले लिया करते थे। यह रुपये लगभग दो लाख रुपये हैं0। बारह दिनों तक सारा खर्च और दान बाबूजी के इन्ही रुपयों से किया जाएगा। यदि कुछ रुपये बच जाएं तो तुम दोनों भाई आपस में बराबर बांट लेना। भाइयों के कुछ बोलने से पहले ही पंडित जी भी वहां पहुंच गए0। नेहा ने अधिकारपूर्वक पंडित जी को सभी काम धर्म और शास्त्रों के अनुसार करने के लिए कहा। उसके भाई भी इसके लिए सहमत थे। यह कहकर कुछ देर बाद वह बाबूजी की छड़ी , चश्मा और चप्पल अपने भाइयों को दिखाते हुए थैले में डालकर अपने घर के लिए रवाना हो गई । बाहर बारिश थम चुकी थी। लेकिन उसकी आंखों से आंसुओं की बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी। बाबूजी ने जो रुपये नेहा को उसके अपाहिज पुत्र के इलाज के लिए दिए थे , वे रुपये उसने बाबूजी की मृत्यु के बाद बारह दिनों तक होने वाले सभी खर्चों , दान और भाइयों के लिए दे दिए थे। बाबूजी उसे कहा करते थे कि भगवान ने भी न जाने उसकी किस्मत में कितनी और कैसी परीक्षाएं लिखी थीं0। बाबूजी के आशीर्वाद से आज वह अपना फर्ज़ निभाते हुए एक और परीक्षा में पास हो गई थी।

**सुधीर केवलिया**
फोन नं. : 09413279217

## संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

# अंतिम नींद

दूसरे के जागने-सोने, खाने-पीने, उठने-बैठने, हँसने-बोलने, यहाँ तक की चुप रहने में भी मीन-मेख निकालना, आदमी को एक तरह का विकृत सुख देता है।तुलनात्मक रूप से एक भयंकर प्रयोग बता रहा हूँ, विचार करना।

रात को बिस्तर पर हो, आँखों में नींद गहराने लगे तो कल्पना करना कि इस लोक की यह अंतिम नींद है। सुबह नींद नहीं खुलने वाली।...यह विचार मत करना कि तुम्हारे कंधे क्या-क्या काम हैं0। तुम नहीं उठोगे तो जगत का क्रियाकलाप कैसे बाधित होगा। जगत के दृश्य-अदृश्य असंख्य सजीवों में से एक हो तुम। तुम्हारा होना, तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण हो सकता है पर जगत में तुम्हारी हैसियत दही में न दिखाई देनेवाले बैक्टीरिया से अधिक नहीं है। तुम नहीं उठोगे तो तुम्हारे सिवा किसी पर कोई दीर्घकालिक असर नहीं पड़ेगा।

तुम तो यह विचार करना कि क्या तुम्हारे होने से तुम्हारे सगे-सम्बंधी, तुम्हारे परिजन-कुटुंबीय, मित्र-परिचित, लेनदार-देनदार आनंदी और संतुष्ट हैं या नहीं0। बिस्तर पर आने तक के समय का मन-ही-मन हिसाब करना। अपने शब्दों से किसी का मन दुखाया क्या, आचरण में सम्यकता का पालन हुआ क्या, लोभवश दूसरे के अधिकार का अतिक्रमण हुआ क्या, अहंकारवश ऊँच-नीच का भाव पनपा क्या..?... आदि-आदि..। हाँ आत्मा के आगे मन और आचरण को अनावृत्त कर अपने प्रश्नों की सूची तुम स्वयं तैयार कर सकते हो।

प्रश्नों की सूची टास्क नहीं है। प्रश्न तुम्हारे, उत्तर भी तुम्हारे। असली टास्क तो निष्कर्ष है। अपने उत्तर अपने ढंग व अपनी सुविधा से प्राप्त कर क्या तुम मुदित भाव से शांत और गहरी नींद लेने के लिए प्रस्तुत हो? यदि हाँ तो यकीन मानना कि तुम इहलोक को पार कर गए हो। सच बताना उठकर बैठ गए हो या निद्रा माई के आँचल में बेखटके सो रहे हो? निष्कर्ष से अपनी स्थिति की मीमांसा स्वयं ही करना।

## बोध कथा

# खिचड़ी की कहानी

किसी गांव में एक बूढ़ी माई रहती थी। बूढ़ी माई माघ का व्रत करती थी, नियम से गंगा स्नान करती थी और व्रत रखकर श्रीकृष्ण का भजन करती थी। उसके व्रत खोलने के समय कृष्ण भगवान आते और उसके पास एक कटोरा खिचड़ी रखकर चले जाते थे। बुढ़िया के पड़ोस में एक औरत रहती थी। वह उससे जला करती थी। वह हर रोज यह देखती कि बूढ़ी के पास दिनभर तो खाने के लिए कुछ होता नहीं फिर ये व्रत करके रोज-रोज खिचड़ी कहां से खाती है।

एक बार माघ संक्रांति के दिन बूढ़ी माई गंगा स्नान के लिए गई0। उधर, कृष्ण भगवान उसका खिचड़ी का कटोरा लेकर आए और रख गए0। पड़ोसन ने बूढ़ी के आंगन में जब खिचड़ी का कटोरा रखा देखा और देखा कि बुढ़िया नही है तब उसने घर के पीछे के दरवाजे की सड़क किनारे खिचड़ी फेंक दी और कटोरा भी वहीं डाल दिया। स्नान के बाद बूढ़ी मां घर आई तो उसे खिचड़ी का कटोरा नहीं मिला और वह भूखी ही रह गई0।

बार-बार एक ही बात कहती कि कहां गई मेरी खिचड़ी और कहां गया मेरा खिचड़ी का कटोरा। दूसरी ओर पड़ोसन ने जहां खिचड़ी गिराई थी वहां एक पौधा उगा जिसमें दो फूल खिले। उस राज्य का राजा बड़ा दयालु था। उसके पास धन-वैभव सब कुछ था लेकिन एक भी संतान नहीं थी। जिससे राज्य में उत्तराधिकार की भी समस्या थी और राजा भी परेशान रहता था। एक बार राजा उस ओर से निकला तो उसकी नजर उन दोनो फूलों पर पड़ी और वह उन्हें तोड़कर घर ले आया। घर आने पर उसने वह फूल रानी को दिए जिन्हें सूंघने पर रानी गर्भवती हो गई0। कुछ समय बाद रानी ने दो पुत्रों को जन्म दिया।

वह दोनों जब बड़े हो गए तब वह किसी से भी बोलते नही थे, लेकिन जब वह दोनो शिकार पर जाते तब रास्ते में उन्हें वही बूढ़ी माई मिलती जो अभी भी यही कहती कि कहां गई मेरी खिचड़ी और कहां गया मेरा कटोरा ? बुढ़िया की बात सुनकर वह दोनों कहते कि हम हैं तेरी खिचड़ी और हम हैं तेरा कटोरा। हर बार जब भी वह शिकार पर जाते तो बुढ़िया यही बात कहती और वह दोनो वही उत्तर देते।

एक बार राजा के कानों में यह बात पड़ गई0। उसे आश्चर्य हुआ कि दोनो लड़के किसी से नहीं बोलते तब यह इस बूढ़ी से कैसे बात करते हैं0। राजा ने उस वृद्ध महिला को राजमहल बुलवाया और कहा कि हम से तो किसी से ये दोनों बोलते नहीं है, तुमसे यह कैसे बोलते हैं ? बुढ़िया ने कहा कि महाराज मुझे नहीं पता कि ये कैसे मुझसे बोल लेते हैं0।

मैं तो माघ का व्रत करती थी और कृष्ण भगवान मुझे खिचड़ी का कटोरा भरकर दे जाते थे। एक दिन मैं स्नान कर के वापिस आई तो मुझे वह खिचड़ी नहीं मिली। जब मैं कहने लगी कि कहां गई मेरी खिचड़ी और कहां गया मेरा कटोरा ? तब इन दोनों लड़कों ने कहा कि तुम्हारी पड़ोसन ने तुम्हारी खिचड़ी फेंक दी थी तो उसके दो फूल बन गए थे। वह फूल राजा तोड़कर ले गया और रानी ने सूंघा तो हम दो लड़को का जन्म हुआ0। हमें भगवान ने ही तुम्हारे लिए भेजा है।

सारी बात सुनकर राजा ने बूढ़ी मां को महल में ही रहने दे दिया। इस तरह बूढ़ी माई के दिन फिर गए और राजा को भी अपने लिए खिचड़ी के प्रसाद से दो पुत्र रत्न मिल गए0। राजा ने बड़े पैमाने पर खिचड़ी बनवाकर बूढ़ी माई के साथ मिलकर कृष्ण जी का भोग लगवाया और लोगों को भी प्रसाद बांटा। इस तरह संक्रांति के दिन खिचड़ी खाने और बांटने की परंपरा चल पड़ी।

## वीर गाथा

# कैप्टन राकेश: जान की बाज़ी लगाकर रोका फिदायीन हमला

कैप्टन राकेश का जन्म कर्नाटक के तुमकूरु जिले के थोरेहल्ली गांव में हुआ था। माता भाग्या डीएन और पिता टी राजकुमार के बेटे राकेश ने अपनी पढ़ाई बेंगलूरु से की थी। जब मुंबई पर 26/11 का हमला हुआ तो करोड़ों देशवासियों की तरह राकेश को भी गहरा दु:ख हुआ था। उन्होंने संकल्प लिया कि वे एक दिन सैनिक बनेंगे और आतंकवादियों को दंडित करेंगे।

इसके लगभग आठ साल बाद, सितंबर 2016 में राकेश भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने। उन्हें पैराशूट रेजिमेंट की 9वीं बटालियन में शामिल किया गया। इसके बाद उन्हें स्पेशल फोर्सेज में भेज दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल, 2022 को एक जनसभा को संबोधित करने के लिए जम्मू जाने वाले थे। इस बीच खुफिया एजेंसियों को सूचना मिली थी कि आतंकवादी संगठन फिदायीन हमले की कोशिश कर सकते हैं0। इसे ध्यान में रखते हुए कैप्टन राकेश को जिम्मेदारी दी गई कि इलाके में किसी भी आतंकी घटना पर तुरंत प्रतिक्रिया दें0।

राकेश को सुरक्षा बलों के काफिले पर आतंकवादियों के हमले का इनपुट मिला था। वह घनी आबादी वाला इलाका था। कैप्टन राकेश ने वहां पहुंचकर क्राउड कॉप्टर इस्तेमाल कर रहे आतंकवादियों को देखा। उन्होंने अपने जवानों को आदेश दिया कि वे आतंकवादियों को चारों ओर से घेर लें0।

जब आतंकवादियों ने देखा कि वे घिर गए हैं तो उन्होंने आम लोगों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उस समय कैप्टन राकेश ने एक आतंकवादी पर गोलीबारी कर उसे घायल कर दिया। इसके बाद बड़ा जोखिम लेते हुए उसकी ओर बढ़े तथा सटीक गोलीबारी कर उसे मार गिराया। कैप्टन राकेश ने त्वरित निर्णय, अदम्य साहस और मजबूत इरादों के साथ अपना कर्तव्य निभाते हुए न सिर्फ खूंखार आतंकवादी का खात्मा किया, बल्कि फिदायीन हमले को भी रोक दिया। इसके लिए उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

**महत्त्वपूर्ण**

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रस्तुति

पटना में शनिवार को पटना विमेंस कॉलेज में ओजसनी प्रोग्राम के दौरान 'नृत्य गुण सम्मान' सेरेमनी प्रस्तुति देते छात्र।

# बालेंद्र शाह की पार्टी नेपाल में भारी जीत की ओर अग्रसर

**काठमांडू/भाषा**

रैपर से राजनीतिक नेता बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) नेपाल में 'जेन जेड' के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद हुए पहले आम चुनाव में शनिवार को भारी जीत की ओर अग्रसर है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, रवि लामिछाने द्वारा 2022 में गठित आरएसपी ने अब तक घोषित 50 सीटों के परिणाम में से 39 सीट जीत ली हैं जिनमें काठमांडू जिले के 10 निर्वाचन क्षेत्रों में इसकी प्रचंड जीत शामिल है, तथा अन्य 80 सीट पर आगे है। पार्टी ने बलेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद का अपना उम्मीदवार घोषित किया था और मधेश के धनुषा जिले के जनकपुर से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की थी। वह संबंधित प्रांत में सूपड़ा-साफ करती दिख रही है। 'बालेन' के नाम से मशहूर बालेंद्र शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को ''मधेश का बेटा'' बताया था और पार्टी ने ''अबकी बार बालेंद्र सरकार'' का नारा दिया था। मधेश प्रांत के आठ

जिलों की कुल 32 सीटों में से, आरएसपी ने सात सीट जीत ली हैं और 23 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में आगे है। चुनाव के परिणामों और रुझानों के अनुसार, पार्टी काठमांडू घाटी में भी सूपड़ा साफ कर रही है। इसने काठमांडू जिले की सभी 10 सीट, भक्तपुर की दो सीट और ललितपुर जिले की एक सीट जीत ली है। काठमांडू घाटी की कुल 15 सीटों में से, पार्टी शेष दो सीट पर भी भारी अंतर से आगे है।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पार्टी ने बालेन के नेतृत्व में काठमांडू घाटी के सभी 15 निर्वाचन क्षेत्रों में रोड शो किया था। नेपाली कांग्रेस ने छह सीटों पर जीत हासिल की है और 12 अन्य सीट पर आगे है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने दो सीट जीती हैं और छह अन्य सीट पर आगे है।

अपदस्थ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने दो सीट जीती हैं और आठ सीटों पर आगे है।

वहीं, श्रम संस्कृति पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी चार-चार सीटों पर आगे हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती। 165 में से 162 निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना जारी है। आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने ने चितवन-2 निर्वाचन क्षेत्र से भारी अंतर से जीत हासिल की, जो उनकी लगातार तीसरी जीत है। पूर्व गृह मंत्री को 54,402 वोट मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेपाली कांग्रेस की मीना कुमारी खरेल को 14,564 वोट मिले।

हाल ही तक काठमांडू के महापौर रहे बालेंद्र शाह ने झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में चार बार के प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष के पी शर्मा के गढ़ में 52,069 वोट हासिल किए हैं। ओली को अब तक केवल 14,031 वोट मिले हैं।

पैंतीस वर्षीय इंजीनियर के नेपाल के अगला प्रधानमंत्री बनने की उम्मीद है, जो स्थापित दलों के प्रति जनता की अस्वीकृति के भाव को दर्शाता है। नेपाल में पिछले 18 वर्षों में 14 सरकार बन चुकी हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने रुकुम पुरबा जिले से जीत हासिल की।

नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ने 10,240 वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सीपीएन (यूएमएल) के लीलामणि गौतम को 3,462 वोट मिले।

# 'धुरंधर द रिवेंज' का ट्रेलर रिलीज़

**मुंबई/एजेन्सी**

इंतज़ार आखिरकार खत्म हो गया है। फिल्म धुरंधर: द रिवेंज का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। ट्रेलर में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर माधवन और सारा अर्जुन जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं0। ट्रेलर में रणवीर सिंह के किरदार जस्किरत सिंह रंगी/हमजा मज़ारी और अर्जुन रामपाल के खतरनाक किरदार आईएसआई मेजर इकबाल के बीच बड़ी टक्कर की झलक दिखाई देती है। इस बार दांव पहले से ज्यादा बड़ा है और एक्शन भी पहले से ज्यादा दमदार नजर आ रहा है। अर्जुन रामपाल अपने ठंडे हावभाव, डरावनी मुस्कान, गोल्डन दांत और घनी दाढ़ी के साथ फिर से मेजर इकबाल के रूप में खौफ पैदा करते दिख रहे हैं0। उनके डायलॉग और स्क्रीन प्रेज़ेंस कहानी में लगातार तनाव बनाए रखते हैं0।पहली फिल्म के बाद अब धुरंधर: द रिवेंज में मेजर इकबाल का किरदार और भी गहराई से सामने आएगा, जिसे देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं0। जियो स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और बी62 स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज़ होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ कुल पांच भाषाओं में रिलीज़ की जाएगी।

गुड़ी पड़वा और उगादी के मौके पर और ईद से पहले रिलीज़ हो रही यह हाई-ऑक्टेन स्पाई-एक्शन थ्रिलर आदित्य धर द्वारा लिखी, निर्देशित और प्रोड्यूस की गई है। फिल्म को ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने प्रोड्यूस किया है। कई महीनों की चर्चाओं और दर्शकों की बढ़ती उत्सुकता के बाद अब 19 मार्च 2026 की रिलीज़ का काउंटडाउन शुरू हो चुका है।

पूजा

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार को पश्चिम बंगाल के हुगली में महेश जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए0।

# तालिबान महिलाओं के खिलाफ युद्ध छेड़ता है, लेकिन उनकी आवाज बुलंद है

सिडनी। अफगान महिला लेखिकाओं में एक गहरी विद्रोही और भड़काऊ भावना दिखाई देती है। जब अगस्त 2021 में तालिबान ने काबुल पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया, तो सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करती महिलाओं और स्कूल की कक्षाओं में जाने से रोकी जा रही लड़कियों की तस्वीरें दुनिया भर में प्रसारित हुईं।

अफगानिस्तान में तब से महिलाओं के सार्वजनिक जीवन को व्यवस्थित रूप से दबाने के तहत कई प्रतिगामी कानून लागू किए गए हैं, जिनमें महिलाओं के सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल है। हाल में तालिबान के शिक्षा अधिकारियों ने महिलाओं द्वारा लिखी गई 140 पुस्तकों को शरिया विरोधी बताकर काली सूची में डाल दिया।

इस संस्थागत उपेक्षा के बीच, लेखन प्रतिरोध का एक माध्यम बन जाता है। हालिया अफगान महिला साहित्य इस उपेक्षा को चुनौती देता है। यह स्वायत्तता को पुनः प्राप्त करने का एक तरीका है।

# जिंदगी से जिंदगी ही है निजात, बिग बी ने बयां किया रात के सन्नाटे का सुकुन

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेता अमिताभ बच्चन अक्सर अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की लिखी कविताओं को अपने भाव के साथ शब्दों के जरिए ब्लॉग में उतारते रहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने बाबूजी से प्रेरित अपने मन के भाव ब्लॉग में उतारे हैं0। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रात के सन्नाटे की सुंदरता को खूबसूरती से बयां किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में मुंबई की रात की खास शांति पर दिलचस्प बात लिखी है। उन्होंने ब्लॉग में लिखा कि मुंबई जैसे व्यस्त शहर में भी रात के समय एक अजीब-सी शांति छा जाती है। दिनभर की भागदौड़ के बाद रात में सड़कें खाली हो जाती हैं और चारों तरफ गहरा सन्नाटा सा छा जाता है। उन्होंने लिखा, मुंबई की यह शांति कई लोगों को डरावनी लगती है लेकिन मेरे लिए इसमें एक अलग तरह की हैरानी और

खूबसूरती छिपी हुई है। उन्होंने देर रात का किस्सा साझा करते हुए लिखा, अभी मैं यह सब लिख ही रहा था कि एक गाड़ी सड़क के गड्ढे से टकराई और वह सन्नाटा टूट गया। रात 1 बजे अक्सर किसी तेज बाइक के एग्जॉस्ट की आवाज सुनाई देती है। शायद कोई व्यक्ति देर रात काम से लौट रहा हो या नई शिफ्ट के लिए जा रहा हो। ये छोटी-छोटी आवाजें रात की खामोशी को और गहरा बनाती हैं0।

अमिताभ ने आगे आसमान के रंग की खूबसूरती को अपने शब्दों में बयां किया। उन्होंने लिखा, इन दिनों मुंबई का आसमान पहले से ज्यादा नीला और साफ दिख रहा है। कई दिनों से ऐसा ही चल रहा है। निर्माण कार्यों के दौरान पानी का छिड़काव किया जाता है, जिससे धूल जमीन पर बैठ जाती है और हवा स्वच्छ हो जाती है। बरसात के दिनों में भी प्रदूषण कम हो जाता है क्योंकि बारिश धूल-मिट्टी को धोकर साफ कर देती है। साथ ही, मुंबई समुद्र के किनारे बसा होने से समुद्री हवाएं वातावरण को तरोताजा रखती हैं0। उन्होंने कहा कि प्रकृति सबसे बेहतरीन दवा है। आखिरकार दवाइयां और रसायन भी तो हमें प्रकृति से ही मिले हैं0। जीवन में सब कुछ चलता रहता है। कभी लेना-देना, व्यवस्था, अव्यवस्था, कभी शोर और कभी सन्नाटा। उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, जिंदगी से जिंदगी ही है निजात0।

# विवाद के बाद यूट्यूब से हटाया गया सिंगर बादशाह का विवादित सॉन्ग 'टटिहरी', गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही पुलिस

**मुंबई/एजेन्सी**

'टटिहरी' सॉन्ग को लेकर पंजाबी सिंगर बादशाह बुरे फंस चुके हैं0। गाने में लड़कियों के लिए विवादित शब्दों के इस्तेमाल के बाद हरियाणा महिला आयोग पहले ही समन जारी कर चुकी है, लेकिन अब सिंगर के गाने को यूट्यूब से हटा दिया गया है। इस गाने के चलते हरियाणा में पहले दो जगह, पंचकूला और जींद में एफआईआर हो चुकी हैं0। इतना ही नहीं, सिंगर के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। हरियाणा पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, गायक बादशाह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आरोपी गायक को पुलिस के समक्ष तत्काल पेश होने के लिए भी नोटिस जारी किया गया है। जानकारी में साफ किया गया कि पंचकूला पुलिस ने यूट्यूब से विवादित सॉन्ग 'टटिहरी' को हटवा दिया है। सोशल मीडिया और गीतों में आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार के खिलाफ हरियाणा पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए गायक आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया उर्फ बादशाह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अन्य म्यूजिक प्लेटफॉर्म,

यूट्यूब चैनलों तथा व्यक्तिगत सोशल मीडिया हैंडल्स से भी इस गाने से संबंधित रील्स व शॉर्ट वीडियो को हटवाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं0।

पंचकूला पुलिस ने उनके हाल ही में जारी गाने को लेकर एफआईआर दर्ज करते हुए उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि आरोपी देश छोड़कर बाहर न जा सके। पुलिस ने पहले भी गाने के मेकर्स ने खुद वीडियो हटवाने के लिए कहा था। बादशाह के खिलाफ दर्ज मामले में धारा 296 भारतीय न्याय संहिता और इंडीसेंट रिप्रेजेंटेशन ऑफ वीमेन (प्रोहिबिशन) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार वीडियो में स्कूल यूनिफॉर्म पहने नाबालिग बच्चियों को स्कूल बैग फेंकते हुए और पढ़ाई से दूर भागते हुए दिखाया गया है। साथ ही बादशाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर स्कूल और शिक्षा के माहौल को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त गीत में महिलाओं और लड़कियों के प्रति अपमानजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया है। बता दें कि पंचकूला पुलिस ने बादशाह की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की हैं, जो विभिन्न संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दे रही

# अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं : सेलिना जेटली

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने जीवन के उतार-चढ़ाव, विदेश प्रवास और अपनी पहचान के संघर्ष पर दिल की बात कही। उन्होंने भारत वापसी की जानकारी देते हुए अपने मन के खालीफन और उदासी को व्यक्त किया। सेलिना ने लिखा कि जब कोई व्यक्ति विदेश में उतना लंबा समय व्यतीत कर लेता है, जितना उसने अपने बचपन में माता-पिता के साथ बिताया हो, तो वह अपनी जड़ों और पहचान को लेकर असमंजस में पड़ जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रिया (आल्प्स) के प्राकृतिक सौंदर्य की तुलना अपने बचपन की यादों, यानी कुमाऊं के पहाड़ों और जंगलों से की। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि वर्षों विदेश में रहने के बावजूद वहां उन्हें मात्र 'पीटर की भारतीय पत्नी' के रूप में ही पहचाना गया। उन्होंने लिखा, पीटर हाग से मेरी शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर ऑस्ट्रिया में बर्सी, लेकिन समय के साथ घर जैसा एहसास कम होता गया। अभिनेत्री ने अपनी मां की बात को याद करते हुए लिखा, आप एक ही इंसान को दो बार नहीं पा सकते, यहां तक कि उसी इंसान को भी नहीं0। मां के साथ बिताया समय मेरा सबसे प्रिय समय था। अब जब मां-पिता और परिवार के सदस्य नहीं रहे, तो पुराना घर और एहसास वापस नहीं आता। कभी-कभी लोग ठीक होना भी नहीं चाहते, क्योंकि दर्द ही खोई हुई चीज से आखिरी रिश्ता बन जाता है।

# पवन कल्याण अभिनीत फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' 19 को रिलीज होगी

नई दिल्ली/भाषा। पवन कल्याण अभिनीत फिल्म ''उस्ताद भगत सिंह'' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने इसके रिलीज की नई तिथि की घोषणा की है। हरीश शंकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने किया है और पहले यह 26 मार्च को रिलीज होनी थी। प्रोडक्शन बैनर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी घोषणा की। उसने लिखा, ''हमारी 'उस्ताद' अब निर्धारित समय से एक सप्ताह पहले रिलीज हो रही है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धूम मचेगी। ''उस्ताद भगत सिंह'' 19 मार्च को विश्व स्तर पर भव्य रिलीज होगी।'' इस फिल्म में कल्याण के साथ राशि खन्ना और श्रीलीला भी हैं तथा यह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी और उसकी बेटी की कहानी है, जो दुश्मनों द्वारा उनके परिवार की हत्या किए जाने के बाद अपनी मौत का नाटक करते हैं। इस फिल्म के रिलीज के दौरान ही आदित्य धर की 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में आएगी।

पूजा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को केरल के कोल्लम जिले में शिवगिरी मठ के दौरे के दौरान पूजा-अर्चना करते हुए0।

# कृति सेनन की आलोचना वाली रील पर 'लाइक' को लेकर यामी ने दी सफाई; कहा, ऐसा अनजाने में हुआ

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री यामी गौतम धर ने कहा कि उन्होंने कभी भी सस्ते प्रचार हथकंडों का सहारा नहीं लिया है।

यामी की यह सफाई अभिनेत्री कृति सेनन से जुड़ी एक पोस्ट जिसमें फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार दिए जाने को लेकर सवाल उठाए गए थे, को 'लाइक' किए जाने पर हुई आलोचनाओं के बाद आई है।

यामी (37) ने शुक्रवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर कहा कि एक अभिनेत्री के रूप में उन्हें रोजाना कई पोस्ट में 'टैग' किया जाता है और कभी-कभी ये क्लिक अनजाने में हो जाते हैं। उन्होंने लिखा, मुझे पता चला है कि मैंने कथित रूप से एक 'रील' को 'लाइक' किया जो किसी अन्य अभिनेत्री के प्रति अपमानजनक थी। हमें हर दिन कई पोस्ट में टैग किया जाता है, और यह (पोस्ट भी) किसी पुरस्कार समारोह के संदर्भ में किसी अन्य टैग की तरह ही सामने आई। ...निश्चित रूप से जानबूझकर नहीं किया गया; अगर कुछ हुआ है तो यह गलती से क्लिक हो गया

होगा। मैंने अपने जीवन में कभी भी सस्ते पीआर हथकंडों का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया और आगे बढ़ी। अभिनेत्री ने कहा क्लिकबेट की दुनिया में, प्रतिष्ठित सोशल मीडिया पोर्टल के लिए भी इस मुद्दे को उछालकर चर्चा में बदलना लुभावना हो सकता है, लेकिन मैं उम्मीद करती हूं कि वे यह ध्यान में रखें कि मैंने इससे बेहतर प्रतिष्ठा अर्जित की है। मेरी कोई पीआर टीम नहीं है, मैंने बहुत पहले ही मनोरंजन पुरस्कार समारोहों पर अपना रुख सम्मानपूर्वक स्पष्ट कर दिया था।

अभिनेत्री के इंस्टाग्राम प्रोफाइल से एक पोस्ट पर 'लाइक' दर्ज देखा गया। पोस्ट में जी सिने अवाड0र्स 2026 में कृति को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने का जश्न मनाते हुए दिखाया गया था। इस घटना के बाद अभिनेत्री का यह बयान सामने आया।

इस वीडियो को यामी के एक पुराने साक्षात्कार के एक क्लिप के साथ जोड़ा गया था, जहां उन्हें यह कहते हुए सुना गया कि उन्होंने फिल्म उद्योग से प्रशंसा पाने की

# वैष्णव कॉलेज के वार्षिक खेल दिवस में दिखा उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज ने 7 मार्च को चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में अपना वार्षिक खेल दिवस 2026 बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ मनाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। वाणिज्य, कला, विज्ञान, जीवन विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, भाषा तथा प्रबंधन जैसे विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. एस. शेषाद्रिनाथन ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए विद्यार्थियों की मार्च-पास्ट से हुई, जिसके बाद ओलंपिक मशाल रिले तथा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

कॉलेज के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू ने विद्यार्थियों की उत्कृष्ट खेल भावना और उत्साह की सराहना की। उन्होंने संस्थान की खेलों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को अकादमिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने इस अवसर पर आयोजित 35 खेल प्रतियोगिताओं-जिनमें बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, रस्साकशी और कैरम शामिल थे-तथा 18 एथलेटिक प्रतियोगिताओं-जैसे 100 मीटर, 400 मीटर, 1500 मीटर, लंबी कूद, ऊँची कूद, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, 4 100 मीटर रिले और 4 400 मीटर रिले-के सफल आयोजन की प्रशंसा की। ये प्रतियोगिताएँ पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए आयोजित की गई थीं। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न विभागों के 2,700 पुरुष विद्यार्थियों और 1,300 महिला विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूँधड़ा ने अपने संबोधन में खेलों के माध्यम से टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों को समग्र विकास के एक सशक्त माध्यम के रूप में अपनाने तथा धैर्य और निष्पक्षता जैसे मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की अध्यक्षता अंतर्राष्ट्रीय एथलीट डॉ. आर. नटराजन, ने मुख्य अतिथि के रूप में की। उन्होंने विद्यार्थियों की उत्साही भागीदारी की सराहना की और विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों की शारीरिक सहनशक्ति और प्रतिस्पर्धात्मक भावना की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम की सफलता आयोजन समिति के समर्पित प्रयासों का परिणाम रही। समिति का नेतृत्व कोषाध्यक्ष अशोक केड़िया, संयोजक प्रो. जे. पी. जयदीप, शारीरिक शिक्षा निदेशक (शिफ्ट1) डॉ. एम. कार्तिकेयन तथा शारीरिक शिक्षा निदेशक (शिफ्ट2) डॉ. ई. वासंधकुमार ने किया।

# ऑल इंडिया मेजर पोर्ट्स बास्केटबॉल टूर्नामेंट और चेस टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** ऑल इंडिया मेजर पोर्ट्स बास्केटबॉल और चेस टूर्नामेंट 2025-26 का उद्घाटन सिपकॉट के मुख्यप्रबंधक आईएएस डॉ. के. सेंथिल राज ने किया। इस मौके पर चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के चेयरपर्सन आईएएस एस. विश्वनाथन और कामराजार पोर्ट लिमिटेड की चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर आईएएस जे.पी. आइरीन सिंथिया भी मौजूद थीं। ऑल इंडिया मेजर पोर्ट्स बास्केटबॉल टूर्नामेंट और चेस टूर्नामेंट 2025-26 के लिए, 11 मेजर पोर्ट्स के खिलाड़ियों, यानी अधिकारियों और कर्मचारियों ने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। 3 से 5 मार्च तक चले तीन दिन के इस टूर्नामेंट में देश भर के बड़े पोर्ट्स ने ज़ोरदार हिस्सा लिया। मुंबई पोर्ट, न्यू मेंगलूर पोर्ट, विशाखापत्तनम पोर्ट, मोरमुगाओ पोर्ट, दीनदयाल पोर्ट (कांडला), जवाहरलाल नेहरू पोर्ट, वीओसी पोर्ट, श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (कोलकाता पोर्ट), पारादीप पोर्ट, कामराजार पोर्ट लिमिटेड और चेन्नई पोर्ट की टीमों ने लीग मैचों में हिस्सा लिया।

6 बड़े पोर्ट्स (चेन्नई, वीओसी, पारादीप, कोलकाता, विज़ाग और न्यू मैंगलोर पोर्ट) के साथ मुकाबला करते हुए, चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ऑल इंडिया मेजर पोर्ट्स बास्केटबॉल टूर्नामेंट में वीओसी चिदंबरनार पोर्ट को हराकर विनर ट्रॉफी जीती।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने 78 गोल करके चैंपियनशिप जीती, जबकि वीओसी पोर्ट ने 76 गोल करके दूसरा और कोलकाता पोर्ट ने तीसरा स्थान हासिल किया।

इस मौके पर ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के जॉइंट कमिश्नर डॉ. वी.पी. जयसीलन, मुख्यअतिथि के तौर पर मौजूद थे और चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के चेयरपर्सन एस. विश्वनाथन की मौजूदगी में पुरस्कार प्रदान किए गए। अपने भाषण में, उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में टीमों के खिलाड़ियों के दिखाए गए अनुशासन, निष्ठा और खेलभावना की तारीफ की।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसे राष्ट्रीय स्तर के खेल कार्यक्रम इंटर-पोर्ट कोऑर्डिनेशन को मजबूत करते हैं और कर्मचारियों में फिजिकल फिटनेस और टीम भावना को बढ़ावा देते हैं।

# शाकदीपीय ब्राह्मण समाज ने मनाई होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** होली के मौके पर धुलंडी के दिन होली आयोजन समिति के सदस्य महेन्द्र सावलेरा, अरविंद कुमार हटिला, जोनी सावलेरा, अक्षय और अन्य सदस्यों ने समाज के सदस्यों के लिए होली समारोह का आयोजन किया। समाज के सदस्यों ने ईस्ट कॉस्ट रोड स्थित एक फार्म हाउस में जैविक रंगों से होली खेलकर, डीजे और ढोल के साथ होली धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया।

शहर के उपनगरों से बसों द्वारा फार्म हाउस सभी सदस्य पहुंचे। सभी सदस्यों को ढोल की थाप पर एवं फूल बरसाकर स्वागत किया गया। राधा कृष्ण के साथ सर्व प्रथम पुष्प होली खेली गई और उसके बाद समाज के सदस्यों ने ढोल, डीजे संगीत के साथ होली खेली और ठण्डाई का आनंद लिया। दीपेश देवरा ने बताया कि चेन्नई समाज के चेयरमैन किशोर कुवेरा, समाज के अध्यक्ष अशोक माथुरिया और समाज के सचिव चैनराज भरतानी ने भी अन्य समाज सदस्यों की उपस्थिति में सभी ने होली खेली। वापस में आते समय सभी ने इस्कॉन मंदिर और कल्याण सुंदरम मंदिर के भी दर्शन किये। इसके पूर्व यहां के साहुकारपेट स्थित सूर्य भवन में सूर्य भजन मंडल द्वारा फाल्गुन एकादशी के मौके पर भजन कीर्तन और फूलों की होली खेली गई।

## सर्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) कोयंबटूर ब्रांच ऑफिस के अधिकारियों की एक टीम ने 6 मार्च को बीआईएस कानून, 2016 के संदिग्ध उल्लंघन की सूचना के आधार पर बोदिनायक्कनूर, थेनी में एक रिटेल ज्वेलरी शॉप पर एनफोर्समेंट सर्च और सीज़र रेड ऑपरेशन किया। यह ऑपरेशन बीआईएस अधिकारियों की एक टीम ने किया, जिसमें साइंटिस्ट - ए / डायरेक्टर विनीत कुमार शामिल थे।

# शनि की विशेष पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** 6 मार्च को यहां नंदनम स्थित श्री सूर्य नारायण मंदिर में विशेष शनि भगवान के निमित हवन अभिषेक एवं पूजा का आयोजन किया गया। इस पूजा के मुख्य यजमान किशोर कुवेरा परिवार रहे। श्री शाकदीपीय ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों के साथ-साथ अन्य समाज के सदस्यों और नंदनम के अन्य निवासियों ने इस विशेष पूजा में भाग लिया और भगवान शनि देव का आशीर्वाद प्राप्त किया। अंत में सभी भक्तों के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई।

# देवनहल्ली-विजयपुरा में सीरवी समाज के नवीन भूखंड की पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सीरवी समाज ट्रस्ट देवनहल्ली-विजयपुरा में समाज के धर्मगुरु दीवान माधवसिंह राठौड़ के कर कमलों द्वारा समाज के नवीन भूखंड पर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ0। इस पावन अवसर पर दीवान साहब ने समाज की सुख-समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की कामना करते हुए सभी समाज बंधुओं को शुभकामनाएं दी। भूमि पूजन से पूर्व धर्मगुरु दीवान माधवसिंहजी का गैर मंडल के सदस्यों द्वारा चंग की थाप पर पारंपरिक गैर नृत्य करते हुए भव्य स्वागत किया गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर कार्यक्रम को धार्मिक एवं सांस्कृतिक माहौल से सराबोर कर दिया। ट्रस्ट की ओर से दीवान माधवसिंहजी का सम्मान माला और साफा पहनाकर किया गया। ङ्कइस अवसर पर सीरवी महासभा कर्नाटक के पदाधिकारी, क्षत्रिय बडेर चिकबल्लापुर, होसकोटे, येलहंका, दोड्डबल्लापुर, मालवल्ली, जिगणी सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सीरवी समाज ट्रस्ट देवनहल्ली विजयपुरा के अध्यक्ष प्रकाश परिहारिया, सचिव लक्ष्मण राम चोयल तथा ट्रस्ट के सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

# डॉ अग्रवाल आई हॉस्पिटल द्वारा गिफ्ट हर क्लियर विजन अभियान शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** डॉ. अग्रवाल् आई हॉस्पिटल द्वारा 'गिफ्ट हर क्लियर विजन' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य देशभर की महिलाओं को निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराना है। यह अभियान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शुरू किया गया है। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने संकल्प लिया है कि मार्च माह के दौरान अपने 280 से अधिक नेत्र चिकित्सालयों एवं विजन केयर केन्द्रों के माध्यम से दस लाख महिलाओं तक निःशुल्क नेत्र जांच की सुविधा उपलब्ध कराएंगे। इस अवसर पर मुख्य नैदानिक अधिकारी डॉ. अश्विन अग्रवाल ने कहा कि भारत में लगभग 65 प्रतिशत महिलाएं दृष्टि संबंधी दोष होने पर भी उपचार में देरी-करती है। देखभाल की जिम्मेदारियां, सांस्कृतिक कारण और आर्थिक बाधाएं उन्हें समय पर नेत्र परीक्षण से वंचित करती है।

क्षेत्रीय प्रमुख (क्लिनिकल सर्विसेज) डॉ. सौदरी एस ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत महिलाओं को व्यापक नेत्र परीक्षण एवं निःशुल्क परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। समय पर जांच और उपचार से बचाव योग्य दृष्टि हानि को रोका जा सकता है। महिलाओं के लिए विशेष परामर्श समय निर्धारित किया गया हैं जिनमें सप्ताह के दिनों के साथ-साथ रविवार को भी प्राथमिकता के आधार पर जांच कर इलाज किया जाएगा ।

## आशीर्वाद यात्रा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा शनिवार को असम के गोलाघाट में जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए।

## सांस्कृतिक उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नित्य नृत्य डांस स्कूल द्वारा हंपीनगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में 'सांस्कृतिक उत्सव-2026' का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने गानों पर एकल एवं समूह नृत्यों प्रस्तुति दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने बाल प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया। नृत्य शिक्षक नीतेश ने मुणोत को सम्मानित किया।

# रोडवेज बस और कार की टक्कर में 'वेब डेवलपर' की मौत

**कारवार।** कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस और एक कार की आमने-सामने की टक्कर में कार सवार एक वेब डेवलपर एवं मैक्स इन्फोटेक के संस्थापक मुकेश कृष्ण शेट्टी (39) की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार को उस समय घटी जब उडुपी जिले के कुंडापुर के निकट नेमपुर निवासी शेट्टी कुंडापुर से हुबली जा रहे थे और येलापुर तालुक में मलालगांव के निकट उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस के मुताबिक, सिरसी डिपो की रोडवेज की बस सिद्दापुर से बेलगावी जा रही और सामने से आ रही कार से वह भिड़ गई। शेट्टी को येलापुर में सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि शेट्टी ने दुर्घटना के समय सीट बेल्ट बांध रखी थी जिससे दुर्घटना के समय एयरबैग खुल गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.